ज्येष्ठ शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 307 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 06-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मैं कभी रोड शो का समर्थक नहीं था, 2007 में भी इसके पक्ष में नहीं था : गौतम गंभीर

6 एक बार फिर से भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

7 'छोटे कपड़े' पहनने वाली महिलाएं अच्छी नहीं लगतीं : कैलाश विजयवर्गीय

फर्स्ट टेक

कभी श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, आज पुष्प वर्षा होती है : आदित्यनाथ

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी अयोध्या आने वाले रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं और श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन आज श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा होती है तथा उन्हें पीने के लिए शुद्ध पानी मिलता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भव:' की नई परिभाषा गढ़ रही है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान चौधरी चरण सिंह पुष्प वाटिका में पौधारोपण किया।

पाकिस्तान से वापस भेजी गई नागपुर की महिला के फोन में मिले 'स्पाईवेयर'

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर की रहने वाली सुनीता जामगड़े के मोबाइल फोन में संदिग्ध 'स्पाइवेयर' जैसे ऐप (एप्लिकेशन) मिले हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुनीता को पिछले महीने पाकिस्तान द्वारा वापस भेजे के बाद जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 43 वर्षीय महिला के पाकिस्तान में घुसने की घटना ने सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता पैदा कर दी है। एजेंसियां जासूसी से जुड़े संभावित संबंधों की जांच कर रही हैं। कपिलनगर थाने के एक अधिकारी ने बताया, पुलिस को उसके (सुनीता के) फोन में कई संदिग्ध एप्लिकेशन मिले हैं, जिनके 'स्पाइवेयर' होने का संदेह है। इन ऐप का मकसद जानने के लिए उनका विश्लेषण किया जा रहा है।

अमेरिका ने 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की

डाकार (सेनेगल)/वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बुधवार को 12 देशों, मुख्य रूप से अफ्रीका और पश्चिम एशिया के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया तथा सात अन्य देशों से आने वाले नागरिकों पर भी आंशिक पाबंदियां लगाई गई हैं। इन 12 देशों में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। इसके अलावा बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के उन नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है जो अमेरिका से बाहर हैं और जिनके पास वैध वीजा नहीं है। इन देशों पर यात्रा प्रतिबंध सोमवार रात 12 बजकर एक मिनट से लागू होंगे।

06-06-2025 सूर्यास्त 6:33 बजे | 07-06-2025 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
81,442.04 (+443.79)	24,750.90 (+130.70)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हादसा या हत्या

मर गए भीड़ में कई लोग,
सकते में जनता सारी है।
दोषारोपण इक दूजे पर,
ज्यों इन्द्रजाल अय्यारी है।
जब क्षमता कम थी तो बोलो,
फ्री पाश किये क्यों जारी है।
हत्या है ये हादसा नहीं,
किसकी यह जिम्मेदारी है।।

अयोध्या में गंगा दशहरा पर

राम मंदिर में 'राजा राम' और अन्य देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राजा राम, देवी सीता, भाई लक्ष्मण,भरत शत्रुघ्न और राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार का पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने आठ मंदिरों में भी देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

इस आयोजन के दौरान शहर में उत्सव का माहौल रहा मंदिर परिसर को और आसपास के इलाकों को रंगीन रोशनी और फूलों से सजाया गया था। पुजारी भजनों और विस्तृत अनुष्ठानों के बीच राजा राम की लगभग पांच फुट ऊंची सफेद संगमरमर से बने विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम मंदिर की पहली मंजिल पर एकत्र हुए।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ यह अनुष्ठान इस मंदिर में आयोजित दूसरा प्रमुख प्राण-प्रतिष्ठा समारोह था। इससे पहले, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

बृहस्पतिवार का यह समारोह 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुआ। हिंदू पंचांग में इसे सबसे शुभ घड़ियों में से एक माना जाता है।

एक बयान के मुताबिक राम मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। इस समारोह में मां सीता के साथ सिंहासन पर विराजमान भगवान राम, उनके साथ खड़े भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के विग्रहों के साथ-साथ भगवान हनुमान के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुई। मुख्यमंत्री ने श्रीराममला मंदिर के मुख्य परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी गये, जहां विभिन्न देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

गौरवशाली और ऐतिहासिक अवसर : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या ने 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा और राम जन्मभूमि परिसर में आठ नवनिर्मित मंदिरों में मूर्तियों की स्थापना के बाद एक और गौरवशाली और ऐतिहासिक क्षण देखा है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, भव्य-दिव्य राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा का ये पावन अवसर समस्त रामभक्तों को श्रद्धा और आनंद से भावविभोर करने वाला है। उनकी कामना है कि भगवान श्री राम सभी देशवासियों को सुख-समृद्धि और आरोग्य का आशीर्वाद दें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई भगदड़ के मामले में

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त को निलंबित करने का आदेश

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई भगदड़ के मामले में बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय न्यायिक आयोग को सौंपते हुए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी), डीएनए इवेंट मैनेजर्स और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी का भी आदेश दिया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, आज मंत्रिमंडल की बैठक हुई और कल की त्रासदी पर विस्तार से चर्चा की गई। कैबिनेट ने अपने विवेक से इस घटना की जांच कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माइकल कुन्हा की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय न्यायिक आयोग को सौंपने का निर्णय लिया है और हमने आयोग से 30 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा है। कैबिनेट बैठक के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) को आरसीबी, डीएनए इवेंट मैनेजर्स और कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएसीए) के प्रतिनिधियों को तुरंत गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है।

सीआईडी करेगी बेंगलूरु स्टेडियम भगदड़ की जांच

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय को सूचित किया कि यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने मची भगदड़ की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। गहन और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए सीआईडी के अंतर्गत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा।

सरकार ने अदालत को एक स्थिति रिपोर्ट सौंपी, जिसमें पुष्टि की गई कि भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत कब्बन पार्क पुलिस थाने में एक प्राथमिकी (अपराध संख्या 123/2025) दर्ज की गई है, जिसमें धारा 105, 125 (1)(2), 132, 121/1 और 3(5) के साथ पठित धारा 190 शामिल है।

इसमें कहा गया है कि मामला अब औपचारिक रूप से सीआईडी को सौंप दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए

यूक्रेन, रूस को कुछ समय तक लड़ने देना बेहतर होगा : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि यूक्रेन और रूस को अलग करने तथा शांति स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ने से पहले इन दोनों को कुछ समय तक लड़ने देना बेहतर होगा।

ट्रंप ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान यूक्रेन में युद्ध की तुलना दो बच्चों के बीच लड़ाई से की, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।

रूस ने 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर आक्रमण किया था।

ट्रंप ने कहा, कभी-कभी उन्हें कुछ देर तक लड़ने देना और फिर उन्हें अलग कर देना बेहतर होता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में इस बात को दोहराया था।

ट्रंप ने प्रतिबंधों की धमकी को अभी भी बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और रूस, दोनों पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ट्रंप ने कहा, जब मैं देखूंगा कि युद्ध रुकने वाला नहीं है तो हम बेहद कठोर रुख अपनाएंगे।

ट्रंप ने कर विधेयक पर मस्क की आलोचना पर निराशा जताई

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व समर्थक और सलाहकार एलन मस्क के रुख को लेकर बृहस्पतिवार को अपनी 'निराशा' जाहिर की। दिग्गज कंपनी टेस्ला एवं सोशल मीडिया मंच एक्स के प्रमुख मस्क ने ट्रंप के हस्ताक्षर वाले एक विधेयक की आलोचना की है। मस्क ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल' विधेयक की वजह से संघीय घाटा बढ़ने की आशंका जताई है। ट्रंप ने मस्क के इस आलोचनात्मक रुख पर कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क को अब भी व्हाइट हाउस की याद सता रही है।

अमेरिका, चीन व्यापार वार्ता बहाल करने को तैयार

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत के बाद कहा कि दोनों देश सीमा शुल्क एवं दुर्लभ खनिजों की वैश्विक आपूर्ति पर बना गतिरोध खत्म करने के लिए व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करेंगे। ट्रंप के दूसरा कार्यकाल संभालने के बाद से चिनफिंग के साथ यह उनकी पहली बातचीत थी। इसके पहले दोनों नेताओं के बीच बातचीत जनवरी में ट्रंप के शपथ ग्रहण के पहले हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में व्यापार वार्ता के संदर्भ में कहा, हमारी संबंधित टीमें जल्द ही निर्धारित स्थान पर मिलेंगी। इस वार्ता में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर वार्ता में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अपने हवाई अड्डों पर हमलों का जवाब देगा रूस : क्रेमलिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

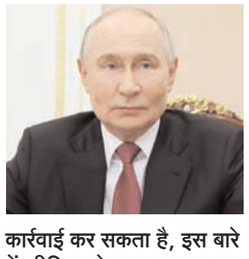

मॉस्को/भाषा। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय 'क्रेमलिन' ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना जब तय करेगी तब रूस अपने हवाई अड्डों पर हुए यूक्रेनी ड्रोन हमलों का जवाब देगा।

यूक्रेन ने एक जून को रूस के मरमंस्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रियाजान और अमूर क्षेत्रों में हवाई अड्डों पर ड्रोन हमले किए थे।

रूस कब और कैसे जवाबी कार्रवाई कर सकता है, इस बारे में मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, हमारी सेना जब और जिस तरह से उचित समझेगी, उस तरह से जवाब दिया जाएगा।

बुधवार की रात, अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेनी ड्रोन हमले का जरूर जवाब देगा।

रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने बुधवार को कहा कि एक जून को यूक्रेन के हमले के बाद क्षतिग्रस्त हुए रूसी विमानों की मरम्मत की जाएगी। उन्होंने सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' से कहा, जैसा कि रक्षा मंत्रालय ने कहा है, ये विमान नष्ट नहीं हुए बल्कि क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इनकी मरम्मत की जाएगी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शर्मिष्ठा पनोली को अंतरिम जमानत दी

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली को बृहस्पतिवार को अंतरिम जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि उसके खिलाफ शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं हुआ है।

कानून की छात्रा पनोली (22) को पिछले सप्ताह हरियाणा के गुरुग्राम से कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ कोलकाता के गार्डन रीच थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की पीठ ने आदेश दिया कि उसे 10,000 रुपये की जमानत राशि और मुचलके पर रिहा किया जाए तथा मामले की जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। अदालत ने उन्हें बिना अनुमति के देश नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने पुलिस को पनोली को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया, क्योंकि उसने शिकायत की थी कि उसके सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उसे धमकियां मिल रही हैं। यह प्राथमिकी एक वायरल वीडियो के मद्देनजर दर्ज की गई थी, जिसमें उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बॉलीवुड अभिनेताओं की आलोचना करते हुए विवादास्पद टिप्पणी की थी।

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का विस्तार किया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया।
- दिल्ली सरकार की सतत परिवहन पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को भी मोदी ने हरी झंडी दिखाई।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली उद्यान में एक पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को आगे बढ़ाया और राष्ट्रीय राजधानी से गुजरात तक फैली 700 किलोमीटर लंबी अरावली पर्वत श्रृंखला में पुनः वनरोपण करने की विशेष पहल की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक फैली है तथा यह क्षेत्र अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और इनके समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान इस पर्वतमाला से जुड़े क्षेत्रों का कायाकल्प करने पर है। हम संबंधित स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और जल प्रणालियों में सुधार, धूल भरी आंधी पर अंकुश लगाने, थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को रोकने आदि पर जोर देंगे।

मोदी ने कहा, अरावली पर्वतमाला और उसके बाहर, पारंपरिक पौधरोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जहां जगह की कमी है। पौधरोपण गतिविधियों को 'जियो-टैग' किया जाएगा और मेरी 'लाइफ पोर्टल' पर उनकी निगरानी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया। उन्होंने दिल्ली सरकार की सतत परिवहन पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को भी हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने कहा, इससे दिल्ली के लोगों के लिए 'जीवन सुगमता' भी बढ़ेगी।

'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 29 जिलों में अरावली के आसपास के पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करने की एक प्रमुख पहल है।

क्या महुआ मोइत्रा ने पिनाकी मिश्रा से कर ली शादी?

दोनों बर्लिन में शादी के बंधन में बंध चुके हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर कयास जारी हैं कि तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में आयोजित एक निजी समारोह में वरिष्ठ बीजद नेता पिनाकी मिश्रा से शादी कर ली है।

हालांकि दोनों ही नेताओं ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। उन्होंने ऐसी चर्चाओं का खंडन भी नहीं किया है। बताया जा रहा है कि दोनों एक पखवाड़ा पहले बर्लिन में शादी के बंधन में बंध चुके हैं।

महुआ मोइत्रा पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से दूसरी बार लोकसभा सांसद हैं। वहीं, पिनाकी मिश्रा ओडिशा की पुरी सीट से सांसद रह चुके हैं। शादी के बारे में दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहां लोग टिप्पणियां कर उनसे स्थिति स्पष्ट करने के लिए कह रहे हैं। कई लोग उन्हें बधाई भी दे रहे हैं।

महुआ मोइत्रा का जन्म 12 अक्टूबर, 1974 को असम के कछार जिले के लाबाक में द्विपेंद्र लाल मोइत्रा के घर हुआ था। वे एक बंगाली हिंदू ब्राह्मण परिवार से आती हैं। उन्होंने वर्ष 1998 में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में माउंट होलोके कॉलेज साउथ हैडली से अर्थशास्त्र और गणित में स्नातक डिग्री ली थी। उन्होंने न्यूयॉर्क और लंदन में निवेश बैंकर के तौर पर काम किया था। उनकी पहली शादी के बाद तलाक हो गया था।

पिनाकी मिश्रा का जन्म 23 अक्टूबर, 1959 को ओडिशा के कटक में हुआ था। उनके पिता लोकनाथ मिश्रा राज्यसभा सांसद और असम के राज्यपाल थे। मिश्रा ने दिल्ली से बीए (ऑनर्स) के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की थी। उन्होंने जनवरी 1984 में संगीता मिश्रा से शादी की थी, लेकिन बाद में उनका तलाक हो गया।

समृद्धि एक्सप्रेसवे महाराष्ट्र की समृद्धि का प्रतीक : देवेन्द्र फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को समृद्धि महामार्ग के बचे हुए 76 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, 701 किमी लंबा मुंबई-नागपुर गलियारा पूरी तरह चालू हो गया और दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय करीब 18 घंटे से घटकर आठ घंटे रह गया। फडणवीस ने मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग को ''इंजीनियरिंग का चमत्कार'' बताया और कहा कि यह ''आर्थिक गलियारा'' राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एमएसआरडीसी) ने कहा कि नासिक जिले के इगतपुरी से ठाणे जिले के भिवंडी तालुका के अमाने के बीच अंतिम खंड के उद्घाटन के साथ, यह छह लेन वाला एक्सप्रेसवे, जिसे आधिकारिक तौर पर 'हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' कहा जाता है, जल्द ही यातायात के लिए खुल जाएगा। फडणवीस ने कहा कि एक्सप्रेसवे को प्रस्तावित वाढवण बंदरगाह से जोड़कर वह इसे राज्य के ''आर्थिक गलियारे'' के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

अगर प्रौद्योगिकी को कमान सौंपी तो न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कमजोर होगा: न्यायमूर्ति गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी को प्राथमिकता देने को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इससे न्यायपालिका में लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा और ऐसे में संतुलन बनाते हुए अदालतों को मानवीय दृष्टि नहीं खोनी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने चार जून को लंदन में ब्रिटिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव लॉ में 'न्यायालय, वाणिज्य और कानून का शासन' विषय पर मुख्य भाषण दिया। अपने संबोधन में, उन्होंने डिजिटल युग में वाणिज्य और 'कानून के शासन' की अवधारणा को संतुलित करने में न्यायपालिका की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि अदालतों को वाणिज्यिक व्यावहारिकता के साथ इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने की आवश्यकता है। उन्होंने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के एक कथन को उद्धृत करते हुए कहा, ''प्रौद्योगिकी को सभी के लिए न्याय का साधन बनाना चाहिए।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''जिस क्षण हम प्रौद्योगिकी को कानूनी प्रणाली में हावी होने देते हैं, हम अपने आप में जनता के विश्वास को खत्म करना शुरू कर देते हैं और इसके साथ ही कानून के शासन की बुनियाद भी कमजोर होने लगती है।'' उन्होंने कहा, ''फिर भी तकनीक से समाकलन की इस दौड़ में, हमें अपनी मानवता को नहीं भूलना चाहिए। कानून का शासन एक अमूर्त अवधारणा के रूप में नहीं बल्कि वास्तविक समस्याओं का सामना कर रहे वास्तविक लोगों के लिए एक जीवंत वादे के रूप में मौजूद है।''

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''हमारे न्यायालयों के समक्ष आने वाला प्रत्येक मामला न्याय के लिए किसी की आशा और किसी के इस विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है कि प्रणाली निष्पक्ष और समान रूप से काम करेगी।'' उन्होंने कहा कि जब लोग परंपरा और नवाचार के बीच चौराहे पर खड़े होते हैं, तो कानून के शासन के प्रहरी के रूप में न्यायालय प्राचीन ज्ञान के संरक्षक और भविष्य के न्याय के वास्तुकार दोनों होते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने दुनिया भर की अदालतों से विकसित हो रहे वाणिज्यिक और तकनीकी परिदृश्यों के बीच कानून के शासन को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''डिजिटल युग में कानून के शासन के लिए न केवल हमारे ध्यान की आवश्यकता है, बल्कि वाणिज्यिक व्यावहारिकता द्वारा निर्देशित हमारी सक्रिय और विचारशील भागीदारी की भी जरूरत है।'' न्यायमूर्ति गवई ने उभरती प्रौद्योगिकियों और न्याय प्रणाली के भविष्य के मुद्दे पर बात की और कहा कि उस यांत्रिक चमत्कार से लोगों ने आज के स्मार्ट फोन, स्मार्ट कंप्यूटर और शायद इतिहास के सबसे स्मार्ट इंसानों की ओर बढ़ते देखा है। उन्होंने कहा, ''आज हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां कंप्यूटर एल्गोरिद्म हमारी दिनचर्या की चीजों को तेजी से आकार दे रहे हैं, चाहे वे विज्ञापन हों जिन्हें हम देखते हैं या फिर लोग हों जिन्हें हम काम पर रखते हैं। इन दिनों, यह भूलना आसान है कि न्याय के क्षेत्र में मानवीय दृष्टि अब भी बहुत मायने रखती है।''

बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सली नेता ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सलियों का एक शीर्ष नेता मारा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार माओवादियों की केंद्रीय समिति का सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर इस मुठभेड़ में मारा गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पुलिस ने बताया कि बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में केंद्रीय समिति के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव तथा कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नक्सलियों के एक शीर्ष नेता को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। घटनास्थल से बरामद शव और वस्तुओं के संबंध में अधिक जानकारी एकत्र की जा रही है। इस मुठभेड़ में बड़ी सफलता मिलने की भी जानकारी है।

एफटीए वार्ता में प्रगति को यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त संग 35 दिन में तीन बैठकें कीं : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रेसिया/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए प्रस्तावित वार्ता को गति देने के उद्देश्य से यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक के साथ मात्रा 35 दिन में तीन बैठकें की हैं। गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत पहले ही चार यूरोपीय राष्ट्र ब्लॉक ईएफटीए और ब्रिटेन के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुका है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिशटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। अब भारत 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के साथ वार्ता को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने 35 दिन में तीन बैठकें की हैं। यह एफटीए के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है... हम इसे तेजी से अमली जामा पहनाने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री यहां की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। वह दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए नेताओं और कारोबारियों से मिल रहे हैं। गोयल और सेफकोविक के बीच पहली बैठक एक मई को तो दूसरी बैठक 23 मई को ब्रसेल्स में हुई थी, जबकि तीसरी बैठक दो जून को पेरिस में संपन्न हुई। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सहमत हो सकते हैं। जून, 2022 में भारत और 27 देशों के ईयू ब्लॉक ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद एक व्यापक एफटीए, एक निवेश संरक्षण समझौते और जीआई पर एक समझौते के लिए बातचीत बहाल की। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में वार्ता रुक गई थी। 28 फरवरी को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष ने इस साल के अंत तक बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर सहमति जताई। गोयल ने कहा कि वह इटली और यूरोपीय संघ के साथ 'बहुत' मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए के लिए काम कर रहे हैं। हम बहुत ही जीवंत एफटीए पर तेजी से प्रगति कर रहे हैं जो दोनों पक्षों के व्यवसायों के लिए अवसर खोलेगा। भारत-इटली द्विपक्षीय व्यापार पर गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए काम करने की जरूरत है। वर्तमान में यह लगभग 15 अरब डॉलर है। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं हैं। संवाददाता सम्मेलन में इतालवी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने कहा कि इटली भारत को निर्यात बढ़ाने के तरीकों पर विचार कर रहा है क्योंकि दोनों स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने इटली में भारतीय निवेश की भी मांग की। उन्होंने कहा कि गोयल के साथ द्विपक्षीय वार्ता व्यापार में बाधाओं को कम करने के तरीकों पर केंद्रित थी।

भारतीय उड़ानों को 2024 में बम से उड़ाने की सबसे ज्यादा फर्जी धमकियां मिलीं

नई दिल्ली/भाषा। भारत में यात्री उड़ानों को बम से उड़ाने की सबसे ज्यादा फर्जी धमकियां 2024 में मिलीं। एक आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र को मिलने वाली फर्जी बम धमकियों में पिछले छह साल में रिकॉर्ड 300 गुना की वृद्धि दर्ज की गई। सबसे ज्यादा फर्जी धमकियां सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिये भेजी गईं। 'पीटीआई-भाषा' के पास उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उड़ानों को पिछले साल कुल 1,019 फर्जी बम धमकियां मिलीं, जबकि 2018 से 2023 के बीच ऐसी 330 धमकियां प्राप्त हुई थीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे ज्यादा 687 फर्जी धमकियां अक्टूबर 2024 में मिलीं। इसमें कहा गया है कि 2024 के जून महीने में ऐसी 96, अप्रैल में 57 और नवंबर में 51 धमकियां प्राप्त हुई थीं।

यात्रियों के लिए शनिवार से शुरू हो जाएगी कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन सेवा

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर में कटरा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा सात जून से आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगी। उत्तर रेलवे ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने इसके लिए अग्रिम बुकिंग बृहस्पतिवार शाम से शुरू कर दी। उत्तर रेलवे के अनुसार, कटरा से श्रीनगर के बीच दो वंदे भारत ट्रेन दिन में चार फेरे लगाएंगी। उत्तर रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, ''इस ट्रेन में दो श्रेणियां चेयर कार (सीसी) और एक्जिक्यूटिव क्लास (ईसी) हैं और टिकट की दर क्रमश: 715 रुपए और 1,320 रुपए है।'' पहली ट्रेन कटरा से सुबह 8:10 बजे रवाना होगी और 11:08 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। यही ट्रेन अपराह्न 2 बजे श्रीनगर से वापस आएगी और शाम 4:58 बजे कटरा पहुंचेगी। यह ट्रेन सेवा मंगलवार को उपलब्ध नहीं होगी।

'देशभक्त' टिप्पणी कांग्रेस के लिए नहीं थी, खुद को देशभक्त ना मानने वालों के लिए थी : खुर्शीद

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर भारत का पक्ष रखने वाले प्रतिनिधिमंडलों में से एक में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'देशभक्त' संबंधी उनकी हालिया टिप्पणी पार्टी के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए थी जो खुद को देशभक्त नहीं मानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी उनके नेता हैं और वह सरकार के बारे में जो भी कह रहे हैं, उससे वह सहमत हैं। खुर्शीद ने बीते सोमवार को कहा था कि यह दुखद है कि देश में लोग राजनीतिक निष्ठाओं का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया था कि क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है? पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता संजय झा की अध्यक्षता वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

राहुल गांधी ने भारत की सशस्त्र सेनाओं का 'अपमान' किया : विज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'आत्मसमर्पण' संबंधी टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से माफी मांगने की बृहस्पतिवार को मांग की और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने देश के सशस्त्र बलों और राष्ट्र का 'अपमान' किया है। राज्य के ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के बारे में ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।'' उन्होंने राहुल गांधी की टिप्पणी को 'विश्वासघात' जैसा कृत्य करार दिया। विज ने कहा कि भारत की जनता इसके लिए राहुल गांधी को कभी माफ नहीं करेगी।

राहुल गांधी ने मंगलवार को भोपाल में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में आरोप लगाया था कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन के बाद मोदी ने 'आत्मसमर्पण' कर दिया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। विज ने अंबाला में संवाददाताओं से कहा कि भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिये भारतीय सशस्त्र बलों ने छह मई की देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना भी शामिल था। अंबाला कैंट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक विज ने कहा, ''ऐसे में इस मिशन के नायक नरेन्द्र मोदी के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना देशद्रोह से कम नहीं है।''

'लंगड़े घोड़े' शब्द के इस्तेमाल को लेकर सिंधिया ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिव्यांगजनों को कथित तौर पर अपमानित करने वाला शब्द इस्तेमाल करने के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की और साथ ही उन्हें याद दिलाया कि किस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजन शब्द गढ़ा था।

गांधी का नाम लिए बिना केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग ऐसे स्वागत योग्य बदलावों के लिए प्रधानमंत्री का सम्मान करने के बजाय 'गाली-गलौज' की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने तीन जून को भोपाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनके लिए 'रेस का घोड़ा', 'बारात का घोड़ा' और 'लंगड़े घोड़े' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। गांधी ने कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई में नई जान फूंकने के संदर्भ में यह उदाहरण दिया था। राज्य में दिसंबर 2018 से मार्च 2020 तक की संक्षिप्त 15 महीने की अवधि को छोड़कर कांग्रेस पार्टी 2003 से सत्ता से बाहर है। सिंधिया ने कहा, ''मैं ऐसी गालियों का इस्तेमाल करने वालों को समझाना चाहता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकलांग' शब्द को बदल दिया और दिव्यांगों के लिए 'दिव्यांगजन' शब्द गढ़ा। इसका अर्थ है जिनके पास भगवान का विशेष आशीर्वाद है।''

पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाना ही प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने का वास्तविक समाधान है : यादव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाना ही प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से निपटने का वास्तविक समाधान है। उन्होंने लोगों से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह से बंद करने की अपील की। एकल-उपयोग प्लास्टिक ऐसे प्लास्टिक उत्पाद होते हैं जिनका उपयोग एक बार या थोड़े समय के लिए किया जाता है और इन्हें फिर फेंक दिया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा, '' प्लास्टिक हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है और यह एक गंभीर चुनौती है।'' उन्होंने कहा, ''प्लास्टिक हमारे मिट्टी और जल में प्रवेश कर चुका है, जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। यह हमारी भूमि, नदियों और महासागरों तक पहुंच गया है।''

मंत्री ने बताया कि भारत उन देशों में शामिल है जिन्होंने सबसे पहले 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है।

दसॉ एविएशन ने भारत में राफेल विमान का ढांचा बनाने के लिए टाटा एडवांस सिस्टम से करार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस की विमान निर्माण कंपनी दसॉ एविएशन ने भारत में राफेल लड़ाकू विमान का ढांचा (फ्यूजलाज) बनाने के लिए बृहस्पतिवार को टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड से समझौता करने की घोषणा की।

दोनों कंपनियों के बीच हुए करार के तहत टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लड़ाकू विमान के प्रमुख ढांचे का उत्पादन करने के लिए हैदराबाद में एक अत्याधुनिक उत्पादन केंद्र की स्थापना करेगी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने कहा कि हैदराबाद में स्थापित होने वाल फैक्टरी में राफेल के पहले ढांचे का निर्माण वर्ष 2028 में होने की संभावना है और उत्पादन केंद्र से प्रति माह दो पूर्ण ढांचों की आपूर्ति होने की उम्मीद है।

टीएएसएल ने कहा कि वह हैदराबाद में राफेल के प्रमुख संरचनात्मक खंडों के निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी, जिसमें पिछले हिस्से का ढांचा, पूरा पिछला भाग, बीच का हिस्सा और अगला हिस्सा शामिल हैं।

टीएएसएल ने कहा कि उसने भारत में राफेल लड़ाकू विमान के ढांचे के निर्माण के लिए दसॉ एविएशन के साथ चार उत्पादन हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। उसने कहा कि यह देश की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन देने की दिशा में एक ''अहम कदम'' है।

ठाकरे भाइयों को एक दूसरे से बात करनी चाहिए: गठबंधन की संभावना पर मनसे नेता अमित ठाकरे ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि गठबंधन मीडिया में बात करने से नहीं होता तथा शिवसेना-(उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे को गठबंधन की किसी भी संभावना को लेकर एक-दूसरे से बात करनी चाहिए।

राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने इस बात का संकेत देने वाले बयान देकर संभावित सुलह की अटकलों को हवा दे दी है कि वे ''छोटे-मोटे मुद्दों'' को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के कटुतापूर्ण मतभेदों के बाद हाथ मिला सकते हैं। मनसे प्रमुख ने कहा है कि मराठी मानुष के हित में एकजुट होना कठिन नहीं है और उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह छोटी-मोटी लड़ाइयां किनारे रखने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को तरजीह न दी जाए।

राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने संवाददाताओं से कहा, ''दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए। (दोनों के अलावा) इस मुद्दे पर हमारे बात करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मुझे दोनों भाइयों के साथ आने से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन मैंने 2014, 2017 (तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन करने के मनसे के असफल प्रयास का संदर्भ) में यह देखा है।'' उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे, तब राज ठाकरे ने उनका समर्थन किया था। अगर वह (उद्धव) चाहें तो फोन कर सकते हैं। मीडिया में बात करने से गठबंधन नहीं होता। उनके पास एक-दूसरे के मोबाइल नंबर हैं, वे एक-दूसरे से बात कर सकते हैं।'' पिछले साल राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान अपने पहले चुनाव में हार का सामना करने वाले अमित ठाकरे की टिप्पणी शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के इस बयान के बाद आई है कि अगर कोई महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए साथ आना चाहता है, तो ''हम भी उन्हें साथ लेकर चलेंगे।'' उद्धव ठाकरे के बेटे एवं राज्य के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि इस मामले में उनकी पार्टी की मंशा बिल्कुल साफ है।

शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत पर निशाना साधते हुए अमित ठाकरे ने कहा, ''सुबह-सुबह बोलने वाले....आप किसे बेवकूफ बना रहे हैं?'' राउत ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी के नेता शिवसेना (उबाठा) और मनसे के बीच गठबंधन को लेकर बहुत सकारात्मक हैं।

देशभर के शैक्षणिक संस्थान इस साल 10 करोड़ पौधे लगाएंगे: प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को एक अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत देश भर के शैक्षणिक संस्थानों द्वारा 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। प्रधान ने 'एक पेड़ मां के नाम' के दूसरे चरण की शुरुआत के दौरान, इस बात पर जोर दिया कि अगली पीढ़ी को 2070 तक शून्य उत्सर्जन लक्ष्य और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस बार, देशभर में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है और इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के दूसरे संस्करण को गति देनी चाहिए।''

मंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष शिक्षण संस्थानों ने देश भर में पांच करोड़ से अधिक पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा, ''स्कूलों में मिशन लाइफ के लिए इको क्लब छात्रों को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित चिंताओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।'' प्रधान ने कहा कि विश्व की तुलना में भारत कभी भी प्रदूषण फैलाने वाला देश नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता पूरे विश्व को एक परिवार मानती है।

अमित शाह का मदुरै दौरा तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव लाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के राज्य मीडिया प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक बयान में कहा कि हाल ही में गत11 अप्रैल को भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चेन्नई का दौरा किया और अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन की घोषणा की। इस घोषणा ने द्रमुक (डीएमके) और उसके सहयोगी दलों में हलचल मचा दी। तब से मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और गठबंधन के अन्य नेता लगातार अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके)-भाजपा गठबंधन के बारे में बोलते रहे हैं। नतीजतन, तमिलनाडु की राजनीति को अब अमित शाह के 11 अप्रैल के दौरे से पहले और अमित शाह के दौरे के बाद के रूप में देखा जा सकता है।

तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में पहले से ही इतनी हलचल पैदा करने के बाद, अमित शाह अब 8 जून को तमिलनाडु की सांस्कृतिक राजधानी और संघ को पोषित करने वाले क्षेत्र मदुरै का दौरा कर रहे हैं। वह भाजपा प्रशासकों की बैठक में भाग लेंगे

8 जून को अमित शाह का मदुरै दौरा

और उम्मीद है कि वह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति तैयार करेंगे। गत 12 अप्रैल को तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभालने वाले नैनार नागेंद्रन एक ऐसे नेता हैं, जिनके पास राजनीतिक अनुभव है। वे हमेशा लोगों से जुड़े रहते हैं और उनकी आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। पिछले ढाई महीनों में उन्होंने अथक प्रयास करते हुए तमिलनाडु भर में यात्रा की है, पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की है और जिला स्तर के नेताओं की नियुक्ति के लिए बैठकों में हिस्सा लिया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए राष्ट्रीय ध्वज रैलियों का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

इस उत्साही और आशावादी माहौल में, अमित शाह की मदुरै की आगामी यात्रा से भाजपा कार्यकर्ताओं को अधिक उत्साह है। मदुरै में उनके भाषण से आगामी विधानसभा चुनावों की दिशा स्पष्ट रूप से तय होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, उनका रणनीतिक दृष्टिकोण राष्ट्रीय मूल्यों और आध्यात्मिक परंपराओं के खिलाफ खड़े डीएमके गठबंधन को एक मजबूत झटका देने के लिए तैयार है। उनके दौरे से डीएमके गठबंधन के नेताओं की नींद में खलल पड़ना तय है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अमित शाह की मदुरै यात्रा तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी।

कमल हासन, आर माधवन, सुनील शेट्टी ने बेंगलूरु भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। अभिनेताओं कमल हासन, आर माधवन और सुनील शेट्टी समेत कई प्रसिद्ध हस्तियों ने बेंगलूरु में मची भगदड़ की घटना में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया है। 'इंडियन प्रीमियर लीग' (आईपीएल) में 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) की जीत के जश्न में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों के जुटने के बाद मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए।

हासन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर इस घटना को दिल दहला देने वाली ''त्रासदी'' बताया। उन्होंने लिखा, ''मैं बहुत दुखी हूं और दुख की इस घड़ी में मैं पीड़ितों के परिवारों के साथ हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''

माधवन ने कहा, ''यह बहुत दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। कृपया जिम्मेदार बनें एवं सुरक्षित रहें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें।''

शेट्टी ने 'एक्स' पर लिखा, खुशी का एक पल...अकल्पनीय घटना में बदल गया!!! बेंगलूरु में जान गंवाने वालों के बारे में सुनकर दिल दहल गया। उन परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजन खो दिए।''

अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने भी इस घटना में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, अपनों को खोना वाकई दुखद है, खासकर उस समय जब क्रिकेट में सामूहिक खुशी का पल होना चाहिए था।...।''

सोनू सूद ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बेंगलूरु में आईपीएल में जीत के जश्न के दौरान हुई त्रासदी से दिल दहल गया।'' उन्होंने कहा, ''मृतकों के परिजनों और सभी पीड़ितों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

एनएच-66 परियोजना को लेकर केरल सरकार और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली/भाषा। केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (एनएच-66) परियोजना को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है, जहां सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच भ्रष्टाचार और देरी के आरोपों को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। केरल के लोक निर्माण मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने बृहस्पतिवार को कहा कि एनएच-66 परियोजना हर हाल में पूरी की जाएगी, फिर चाहे कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल इसके खिलाफ एड़ी-चोटी का जोर क्यों न लगा लें।

कांग्रेस ने मंत्री पर पलटवार करते हुए उन पर शिकायतकर्ता को ही आरोपी बनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने सवाल किया कि क्या रियास भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से किए जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों के लिए ठेके देने में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। नयी दिल्ली में एक टेलीविजन चैनल से बातचीत में रियास ने दावा किया कि वेणुगोपाल भले ही एनएच-66 परियोजना के दुश्मन की भूमिका निभाएं, लेकिन यह (परियोजना) पूरी की जाएगी, क्योंकि राज्य सरकार इस दिशा में सभी कदम उठा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष कोई सर्वोच्च न्यायालय नहीं हैं, बल्कि अल्लपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल हैं।

रियास ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में पीएसी अध्यक्ष की आलोचनात्मक टिप्पणी पर सरकार के रुख के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। वेणुगोपाल ने पीएसी के अध्यक्ष के रूप में पिछले महीने बारिश के दौरान मलप्पुरम जिले में एनएच-66 के एक हिस्से के ढह जाने के बाद परियोजना से जुड़े अनुबंध और अन्य दस्तावेजों की कैग द्वारा अंकेक्षण कराने का आदेश दिया था। रियास ने आरोप लगाया कि केरल में 2011-2016 में कांग्रेस नीत यूडीएफ सरकार एनएच-66 परियोजना को ठंडे बस्ते में डालने के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि उसके पास इसे लागू करने की क्षमता नहीं थी। मंत्री ने कहा, अब जबकि यह परियोजना सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है और वे इसके दुश्मन बनकर इसे रोकना चाहते हैं, तो राज्य की मौजूदा वामपंथी सरकार इसकी अनुमति नहीं देगी। मंत्री के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि रियास शिकायतकर्ता को ही आरोपी बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले मंत्री ने बड़े-बड़े दावे किए, फिर एनएच-66 की सड़कों में दरारें आ गईं और अब परियोजना के क्रियान्वयन के विरोध और आलोचना के कारण वह (रियास) भड़क गए हैं। केपीसीसी प्रमुख ने कहा कि मंत्री अब जानबूझकर परियोजना के संबंध में किए गए अपने बड़े-बड़े दावों को भुलाने और छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

कमल हासन के प्रशंसक 'ठग लाइफ' देखने के लिए बेंगलूरु से होसुर पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/होसुर। कमल हासन अभिनीत 'ठग लाइफ' ने बृहस्पतिवार को सिनेमाघरों में दस्तक दी। हालांकि, इसे कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं किया गया और ऐसे में, फिल्म देखने को बेताब अभिनेता के प्रशंसक बड़ी संख्या में बेंगलूरु से 42 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के होसुर पहुंचे।

तमिलनाडु में हासन और सिलांबरासन टीआर की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को पहले दिन बेहद शानदार प्रतिक्रिया मिली। सिनेमाघर परिसर में प्रशंसक पटाखे फोड़ते, केक काटते और पसंदीदा गानों पर थिरकते नजर आए। कुछ प्रशंसक बीयर की बोतलें खोलते और अपने चहेते सितारों के 'कटआउट' पर बीयर डालते दिखाई दिए। 'ठग लाइफ' की चर्चा सोशल मीडिया पर भी छाई रही। कमल हासन के प्रशंसकों ने फिल्म को शानदार रेटिंग देते हुए इसकी तुलना नायकन' से की। 1987 में प्रदर्शित 'नायकन' भी एक 'गैंगस्टर ड्रामा फिल्म' थी।

कमल हासन और मणि रत्नम 'नायकन' की रिलीज के लगभग चार दशक बाद 'ठग लाइफ' के जरिये एक बार फिर साथ काम किया है।

तमिलनाडु में कई जगहों पर 'ठग लाइफ' के सितारों के बड़े-बड़े 'कटआउट' लगाए गए थे और उन्हें फूल-माला से सजाया गया था। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, बेंगलूरु शहर और आसपास के उपनगरों से कई प्रशंसक फिल्म देखने के लिए लगभग 42 किलोमीटर दूर होसुर पहुंचे। कमल हासन की इस टिप्पणी को लेकर हाल ही में विवाद खड़ा हो गया था कि कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। कर्नाटक के नेताओं और राज्य के फिल्म चैंबर ने मांग की कि अभिनेता अपनी टिप्पणी वापस लें तथा माफी मांगें। हालांकि, कमल हासन ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने 'ठग लाइफ' को पांच जून को कर्नाटक में रिलीज न करने का फैसला किया, जब इसे दुनियाभर में प्रदर्शित किया गया।

कमल हासन के प्रशंसकों के अनुसार कर्नाटक में चार दशक से, बड़ी संख्या में अभिनेता के प्रशंसक हैं। एक प्रशंसक ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मारो चरित्र' (1978 में प्रदर्शित के बालचंदर की सुपरहिट फिल्म, जिसमें कमल हासन और सरिता मुख्य भूमिका में नजर आए थे) को बेंगलूरु के सिनेमाघर में लगातार 693 दिनों तक दिखाया गया था और यह रिकॉर्ड आज तक नहीं टूट सका है। राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ठग लाइफ का जलवा। कोयंबटूर में कमल हासन के कई प्रशंसक 'मन्निप्पु केतका मुदियाथु' (माफी नहीं मांगूंगा) और हम कमल हासन के साथ हैं' जैसे संदेश लिखी टी-शर्ट पहने दिखाई दिए। तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को 'ठग लाइफ' की विशेष स्क्रीनिंग की अनुमति दी। एक शो विशेष था, जबकि चार अन्य सामान्य थे।

मदुरै में 'ठग लाइफ' देखने वाले मशहूर फिल्म निर्देशक अमीर ने दावा किया कि कमल हासन ने किसी भी भाषा के बारे में कोई गलत टिप्पणी नहीं की या किसी भाषा को कमतर नहीं आंका। अमीर ने कहा कि कमल हासन ने सिर्फ इतना कहा कि 'कन्नड़' द्रविड़ भाषा परिवार का हिस्सा है। 'ठग लाइफ' में कमल हासन और सिलांबरासन टीआर के अलावा तृषा कृष्णन, अभिरामी और नासर ने अहम किरदार निभाए हैं। फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है।

केरल : भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को बताया असंवेदनशील और सबसे भ्रष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य में सत्तारूढ़ दल जनता के मुद्दों के प्रति असंवेदनशील है और केवल भ्रष्ट तरीकों से धन जुटाने में रुचि रखता है।

उन्होंने दावा किया कि असंवेदनशीलता का एक उदाहरण कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा बुधवार को चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ से निपटने के लिए पुलिस की सराहना करना था। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हुए। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया, जब लोग मर रहे होते हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया आत्म-प्रशंसा वाली होती है। यही उनकी राजनीति का असली चेहरा है।

उन्होंने कांग्रेस की कर्नाटक इकाई को पार्टी की सबसे अक्षम और भ्रष्ट' इकाई करार दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के आईपीएल में विजयी होने के लिए चार जून को मनाये गये जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य लोग घायल हुए थे।

मदुरै मंडल ने 69वां रेल सप्ताह मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल ने 4 जून को मदुरै के रेल कल्याण मंडपम में 69वां रेल सप्ताह मनाया। यह कार्यक्रम समर्पित कर्मचारियों को सम्मानित करने और एक वर्ष के असाधारण प्रदर्शन पर विचार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

शरद श्रीवास्तव, मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), मदुरै ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की अध्यक्षता की और 26 मेधावी कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा और योगदान के सम्मान में प्रतिष्ठित रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया।

इस कार्यक्रम में एल.एन. राव, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक; के. हरि कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति; और टी. शंकरन, मंडल कार्मिक अधिकारी, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति भी शामिल थी। अपने संबोधन में, डीआरएम ने पिछले वर्ष के दौरान मंडल की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

मदुरै डिवीजन भारतीय रेलवे में समय की पाबंदी में अग्रणी बनकर उभरा है, जिसने प्रभावी टीमवर्क और समन्वय के माध्यम से लगातार समय पर प्रदर्शन बनाए रखा है। समारोह का समापन सभी विभागों के सामूहिक प्रयासों की सराहना के साथ हुआ, जिनके समर्पण और प्रदर्शन ने डिवीजन की निरंतर सफलता में योगदान दिया।

रेलवे के चेन्नई डिवीजन में अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस के अवसर पर 5 जून को दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के सुरक्षा विभाग ने चेन्नई मंडल के विभिन्न लेवल क्रॉसिंग गेटों पर व्यापक सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किए। अपर मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में जागरूकता अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी आर. साथिया सीलन, सुरक्षा परामर्शदाताओं और चेन्नई मंडल के कर्मचारियों के साथ-साथ जेआरडी टाटा स्काउट समूह और प्रियदर्शिनी गाइड समूह ने भी भाग लिया।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, चेन्नई मंडल के आर. साथिया सीलन ने पल्लवरम-तांबरम खंड के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 26 पर अभियान की अध्यक्षता की। एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया और लेवल क्रॉसिंग सुरक्षा के महत्व को उजागर करने वाले सूचनात्मक प्लेकार्ड प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। मोटर चालकों, सड़क उपयोगकर्ताओं और आम जनता को लेवल क्रॉसिंग गेट पार करते समय बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया। पर्चे बांटे गए और सड़क उपयोगकर्ताओं को सलाह दी गई कि वे गेट बंद होने पर अतिक्रमण न करें। उन्हें क्रॉसिंग करते समय ईयरफोन या मोबाइल फोन का उपयोग करने से बचने की भी सलाह दी गई और लापरवाही के परिणामों के बारे में बताया गया। डिवीजन में लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा बैनर और पोस्टर प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। चेन्नई डिवीजन सभी रेल और सड़क उपयोगकर्ताओं से अपील करता है कि वे लेवल क्रॉसिंग का उपयोग करते समय हर समय अत्यधिक सावधानी बरतें और सुरक्षा को सुदृढ़ करने में रेलवे के साथ हाथ मिलाएं।

टीवीएस मोटर ने सुदर्शन वेणु को चेयरमैन नियुक्त किया, 25 अगस्त को संभालेंगे पद

चेन्नई। टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक मंडल ने सुदर्शन वेणु को चेयरमैन नियुक्त किया है। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि 25 अगस्त से वेणु को चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया जाएगा।

वेणु वर्तमान चेयरमैन राल्फ स्पेथ की जगह लेंगे। स्पेथ ने बोर्ड को सूचित किया है कि वह आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कंपनी के निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति को इच्छुक नहीं हैं। टीवीएस मोटर ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, वह 22 अगस्त, 2025 को एजीएम के समापन पर कंपनी के चेयरमैन पद से हट जाएंगे। बोर्ड ने कहा कि स्पेथ को तीन साल की अवधि के लिए कंपनी का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया जाएगा, जो 23 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा।

टीवीएस मोटर कंपनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों में चेयरमैन के रूप में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए राल्फ के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। वैश्विक बाजारों में हमारे रणनीतिक विस्तार को निर्देशित करने और नवाचार को बढ़ावा देने में उनका योगदान अमूल्य रहा है जिसने हमारे उद्योग की स्थिति को काफी मजबूत किया है।

'कावेरी कॉलिंग' के तहत निरन्तर चल रहा है पौधारोपण

इस वर्ष 2024-25 में 1.36 करोड़ पौधे लगाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। सद्गुरु द्वारा परिकल्पित कावेरी कॉलिंग आंदोलन ने 2024-25 के दौरान कावेरी बेसिन में 34,000 एकड़ में 1.36 करोड़ पौधे लगाने में मदद की। आज तक कुल 12.2 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं, जिससे 2.38 लाख किसानों को वृक्ष आधारित खेती अपनाने में मदद मिली है। उल्लेखनीय रूप से, पिछले वर्ष ही 50,931 किसानों और नागरिकों ने इस बड़े पैमाने पर किए गए पारिस्थितिक प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कावेरी कॉलिंग दुनिया की सबसे बड़ी किसान-संचालित पारिस्थितिक पहल है और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों को बदलने की क्षमता के साथ एक अभूतपूर्व पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना प्रयास है। 'ट्रिलियन ट्रीज: इंडिया चैलेंज' द्वारा शीर्ष इनोवेटर नामित, इस आंदोलन का उद्देश्य कावेरी नदी को पुनर्जीवित करना है, जो 8.4 करोड़ लोगों की जीवन रेखा है, साथ ही निजी कृषि भूमि पर 242 करोड़ पेड़ लगाने में सक्षम बनाकर किसानों की आय में वृद्धि करना है। यह वृक्ष-आधारित कृषि को बढ़ावा देता है जो मिट्टी के स्वास्थ्य को समृद्ध करने और जल प्रतिधारण में सुधार करने में मदद करता है, बदले में नदी के साल भर के प्रवाह को बनाए रखने में मदद करता है। सद्गुरु ने पहले 'एक्स' पर साझा किया था, कावेरी कॉलिंग दुनिया को दिखाएगा कि योजनाबद्ध और रणनीतिक कार्रवाई करके खराब हो चुकी भूमि के भूभाग को बदलना संभव है। मिट्टी और पानी से पोषित हर व्यक्ति को इस आंदोलन का हिस्सा होना चाहिए। आइए हम इसे साकार करें।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रोकना सामूहिक दायित्व : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रोकने को सामूहिक दायित्व बताते हुए कहा है कि इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने की जरुरत हैं। बागड़े गुरुवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में विज्ञान भारती और अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लोगों द्वारा ही बढ़ाया गया है, इसलिए इसे रोकने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक दायित्व है और इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों। उन्होंने अधिक तापमान की चर्चा करते हुए कहा कि यह इसलिए रहता है कि पेड़ कम होते हैं।

पेड़ अधिक से अधिक लगे। आंकड़ों में नहीं, सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए और जो पेड़ लगे उनकी गिनती बाद में वृक्ष रूप में पनपने के आधार पर हो। उन्होंने अमलतास पेड़ पर तमिलनाडु के शोधार्थियों की शोध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पेड़ सर्वाधिक ऑक्सीजन देता है और जलाने पर सबसे कम कार्बन उत्सर्जन करता है।

इसलिए ऐसे पेड़ धरती पर अधिकाधिक लगें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के समाचार आते हैं, पर इनमें से जिंदा कितने रहते हैं इस बारे में भी जानकारी आनी चाहिए। उन्होंने जवाबदेही रखते हुए पेड़ लगाने, उसकी बाद में सार संभाल कर पनपने देने के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाली के लिए और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको सामूहिक दायित्व समझते हुए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने जल संरक्षण के लिए भी गंभीर सोच रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि समुद्र को छोड़ दें तो केवल ढाई प्रतिशत पानी ही ऐसा उपलब्ध है जो पीने योग्य हैं। इसलिए इसको बचाना जरूरी है। बागड़े ने इससे पहले विज्ञान भारती द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को 'वृक्ष मित्र' पुरस्कार से सम्मानित किया। विज्ञान भारती के डा मेंघेद्र शर्मा ने बताया कि विज्ञान भारती पर्यावरण संरक्षण की सोच विकसित करने के साथ विज्ञान की भारतीय परंपरा का विकास कर रही है।

खीचनवासियों के पर्यावरण प्रेम को प्रणाम : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर लोकसभा क्षेत्र के फलौदी तहसील के खीचन को अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने पर खुशी जताते हुए खीचन ग्रामवासियों के पर्यावरण प्रेम को प्रणाम किया हैं। शेखावत ने खीचन को 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने को खुशखबरी और उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर कहा कि खीचनवासियों का पर्यावरण प्रेम जगप्रसिद्ध है। यहां शिकार प्रतिबंधित है, जिसकी अनेक वर्षों से अक्षरशः पालना हो रही है। इस रियासत कालीन बसाहट में जल प्रबन्धन के भविष्योन्मुखी प्रबन्ध किए गए थे, जिन्हें विरासत की भांति सहेजा गया है। खीचन में हर साल साइबेरियन कुरजां पक्षी विशाल संख्या में प्रवास करते हैं, जिन्हें विशेष आतिथ्य मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया विजन 'विकास भी-विरासत भी' इस अनूठे और समृद्ध गांव में जीवंत प्रतीत होता है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर खीचन और उदयपुर के मेनार को अंतरराष्ट्रीय महत्व की 'वेटलैंड' सूची में शामिल करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे बहुत अच्छी खबर बताया और कहा था कि पर्यावरण संरक्षण में भारत की प्रगति बहुत तेजी से हो रही है और इसमें जनभागीदारी भी शामिल है।

राजस्थान को पानी के मामले में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार पानी के लिहाज से राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का भी आह्वान किया। वह विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत बृहस्पतिवार को हुई।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा, जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें।

उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें तथा परंपरागत जलस्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा,''हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।'

राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का आज होगा शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर पहली बार राजस्थान के वरिष्ठ नागरिक वातानुकूलित ट्रेन से रामेश्वरम की निशुल्क तीर्थयात्रा पर रवाना होंगे। इसके लिए वातानुकूलित और सुसज्जित राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन तैयार की गई है। राजस्थान की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित यह ट्रेन बाहर से पैलेस ऑन व्हील्स से भी अधिक भव्य दिखेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को निर्जला एकादशी पर दुर्गापुरा (जयपुर) रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

इस ट्रेन में सवाई माधोपुर के रास्ते रामेश्वरम, मदुरै की तीर्थ यात्रा पर दो स्टेशनों से लगभग 800 तीर्थयात्री रवाना होंगे। वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रियों के आवास, भोजन इत्यादि की समस्त व्यवस्थाएँ देवस्थान विभाग द्वारा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना-2025 के अन्तर्गत बजट घोषणा अनुसार पहली बार वातानुकूलित ट्रेन से तीर्थयात्रा करायी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा कुल 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को ट्रेन से यात्रा कराने की घोषणा की गयी है। आठ दिवसीय यात्रा में यह ट्रेन रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी ज्योतिर्लिंग, धनुषकोटि, ब्रह्मकुंड और मदुरै में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन मुख्य रूप से कराएगी। देवस्थान विभाग की तीर्थयात्राओं में यह सर्वाधिक दूरी की यात्रा है। यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु एक ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में दो सरकारी कर्मचारी अनुदेशक, साथ ही एक डॉक्टर व दो नर्सिंग अधिकारी भी रहेंगे।

यात्रियों को अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी (मय प्रमाणित चिकित्सीय प्रमाण-पत्र), मूल जनआधार / आधार कार्ड / दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना होगा। साथ ही दैनिक उपयोग की सामग्री लानी होगी। भोजन, भ्रमण, यातायात व रुकने की व्यवस्था नि:शुल्क होगी।

यह प्रयास किया गया है कि राजस्थानी वरिष्ठजन इस ट्रेन में सवार होकर अपनी धरती व संस्कृति पर गर्व कर सकें, साथ ही यह ट्रेन जहां जाये, वहां अन्य लोगों को भी आकर्षित कर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दे। राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन में कुल 14 कोच हैं, जिसमें 10 यात्री कोच हैं। राजस्थान के दुर्ग, पुरासम्पदा, मंदिर, नृत्य, वाद्य, उत्सव, कला आदि वैशिष्ट्य की थीम पर अलग-अलग डिब्बों को सजाया गया है। मरुधरा में सूर्योदय व सूर्यास्त की स्वर्णिम आभा को प्रदर्शित करने के लिए इसकी थीम में पीताभ केसरिया रंग को वरीयता दी गयी है।

सैंकड़ों टन पत्थर-मिट्टी के नीचे दबे दो युवकों की मौत, 9 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा । राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बुधवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की जान चली गई। यह हादसा जिले के बागौर क्षेत्र में स्थित एक अवैध रूप से संचालित फेल्सपार और क्वार्ट्ज खदान में हुआ। दोनों युवक अचानक ढही मिट्टी और पत्थर के नीचे दब गए। उनकी तलाश में करीब 9 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद गुरुवार सुबह उनके शव बाहर निकाले गए।

हादसा बुधवार शाम करीब 6 बजे हुआ, जब पुरोहितों का खेड़ा निवासी उदयलाल भील (25) और बाजिया खेड़ा निवासी राजकुमार जाट (26) चारागाह भूमि पर स्थित अवैध खदान में कार्यरत थे। अवैध खनन के चलते खदान की दीवारें अस्थिर थीं। अचानक भारी मात्रा में मिट्टी और पत्थर ढह गया, जिससे दोनों युवक खदान की गहराई में दब गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद मौके पर मौजूद मजदूरों और खदान संचालकों ने खुद से दबे युवकों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। देर शाम पुलिस को सूचना दी गई। राज्य आपदा मोचन बल (डउछ्रत्र) की टीम को अजमेर से बुलाया गया, लेकिन टीम को मौके पर पहुंचने में करीब 6 घंटे लग गए।

टीम रात करीब 12 बजे पहुंची, जिसके बाद बाकायदा रेस्क्यू शुरू किया गया। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे उदयलाल भील का और 9 बजे राजकुमार जाट का शव बाहर निकाला गया। दोनों को तुरंत भीलवाड़ा जिला अस्पताल की मोर्च्युरी में रखा गया। हादसे की खबर जैसे ही गांवों में पहुंची, दोनों के परिवारों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। सैकड़ों लोग अस्पताल और घटनास्थल पर जमा हो गए।

इस हादसे ने प्रशासन और माइनिंग विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि बागौर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन चल रहा है। यहां की खदानें चारागाह भूमि पर स्थित हैं और इन्हें बिना अनुमति के चालू रखा गया है। पुलिस और खनन विभाग को इसकी जानकारी होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

गंगा दशमी पर वंदे गंगा के जयकारों के साथ शुरू हुआ जल संरक्षण जन अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ किया गया। डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर गंगा दशमी के अवसर पर वंदे गंगे के जयकारों के साथ कलश यात्रा, प्रभात फेरी, श्रमदान एवं साइकिल रैली के साथ यह आयोजन हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण जयपुर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगा दशमी और विश्व विश्व पर्यावरण दिवस को शुभ संयोग बताते हुए कहा कि यह वह देश है, जिसने दुनिया को राह दिखाई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण व प्रकृति का संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। नदी, पहाड़, पर्वत से लेकर प्रकृति पूजन भारतीय संस्कृति की परंपरा है। हमारे यहां नदियों को मां का दर्जा दिया गया है क्योंकि वह हमारी जीवन रेखा है। इसलिए प्रकृति का संरक्षण हमारा दायित्व है।

गुरुवार को जिला प्रशासन और जिलेवासियों द्वारा प्रभात फेरी के साथ साईकिल रैली निकाल गई। साथ ही, जागरूकता रैली सम्पन्न हुई। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला प्रशासन एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वाधान में पुरानी और ऐतिहासिक बावड़ियों रानी वाव तथा केला वाव की साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। साथ ही कलश यात्रा एवं पीपल पूजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आगाज राजमाता विजिया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम में जिला प्रभारी मंत्री एवं जनजाति क्षेत्र विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खराडी ने पुरातन काल से जीवनदायनी गंगा के महत्व को बताते हुए कहा कि जल संरक्षण आज की प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग, जल स्वावलम्बन अभियान, एनिकट, टेऋंच आदि के निर्माण से बारिश के पानी को रोकने एवं भूमिगत जल स्तर को बढ़ावा देने की योजनाओं एवं प्रयासों पर विस्तार से जानकारी दी।

निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए 'राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप' सम्मेलन

जयपुर। राजस्थान सरकार पिछले साल के 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए 11-12 दिसंबर को यहां 'राइजिंग राजस्थान: पार्टनरशिप' सम्मेलन 2025' आयोजित करेगी। प्रमुख सचिव (उद्योग और वाणिज्य) अजिताभ शर्मा ने सम्मेलन की रूपरेखा और कार्यक्रम की तैयारियों की बुधवार को यहां समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान: पार्टनरशिप' सम्मेलन का मुख्य फोकस निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को प्रदर्शित करने और राज्य में उद्योग अनुकूल परिवेश को सामने लाने पर होगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को सशक्त बनाने का एक प्रभावशाली मंच बनेगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य में किए गए निवेशों के ठोस कार्यान्वयन और विभिन्न सरकारी विभागों की आर्थिक विकास में भूमिका को सामने लाने का काम करेगा।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजसमंद में किया 'वंदे गंगा अभियान' का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को राजसमंद जिले में 'वंदे गंगा' (जल संरक्षण-जन अभियान) की भव्य शुरुआत की। उन्होंने यहां राजसमंद झील स्थित इरिगेशन पाल विधिवत पूजा अर्चना की और फिर जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले प्रभात फेरी और भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश लेकर इरिगेशन पाल पहुंची। उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि त्याग, बलिदान, शक्ति और भक्ति की धरती राजसमंद पर आकर वे सदैव ही गौरवान्वित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक रूप से कई विशेषताओं को समेटे हुए हैं। यहाँ विभिन्न प्रकार के भौगोलिक क्षेत्र जैसे- मरुस्थल, शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्र, मैदानी क्षेत्र और हरे-भरे वन क्षेत्र विद्यमान हैं। हमारे यहाँ एक बड़े भू-भाग में पानी की समस्या होने से जल संरक्षण की परंपरा सदियों पुरानी रही है।

डॉ. बैरवा ने कहा कि राजस्थान के लोगों ने जल की महत्ता को गहराई से समझते हुए पारंपरिक जल संचयन प्रणालियां विकसित की, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। बावड़ियाँ, कुंड, तालाब, जोहड़, टांके, नाड़ी, खड़ीन जैसे जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि किस प्रकार राजस्थान के लोगों ने सीमित जल संसाधनों के बावजूद सामुदायिक भागीदारी से टिकाऊ समाधान खोजे। बावड़ियाँ और कुंड स्थापत्य कला का अद्वितीय उदाहरण होने के साथ-साथ जल भंडारण के महत्वपूर्ण साधन रहे हैं। इन

परंपरागत जल संरचनाओं ने न केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखा।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि आज के दौर में जब जल संकट गहराता जा रहा है, तब राजस्थान की ये पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें जल प्रबंधन की दिशा में लोक-आधारित समाधान अपनाने की प्रेरणा दे रही हैं। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे प्रयास इन्हीं परंपराओं का रूप हैं। जहां एक ओर सरकार जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है, तो वहीं जल स्रोतों के संरक्षण के लिए विभिन्न पहल की गई है। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के माध्यम से हजारों जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है ताकि भूजल स्तर में वृद्धि हो सके।

डॉ. बैरवा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री महोदय के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को फलीभूत करते हुए सरकार ने वृक्षारोपण अभियान को पूरी गंभीरता से लेते हुए यह तय किया है कि पौधों को लगाने के बाद उनकी देखरेख भी सुनिश्चित हो ताकि वे छायादार वृक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गौरव और आनंद का विषय है कि आज सभी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के शुभारंभ अवसर पर एकत्र हुए हैं। भारतीय संस्कृति में हम गंगा नदी को मां गंगा कह कर पुकारते हैं क्योंकि गंगा न सिर्फ जीवन दायिनी है बल्कि हमारी आस्था का भी प्रतीक है। मां गंगा के नाम से आरंभ यह अभियान माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी की दूरदर्शिता और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि हमारी संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा प्राप्त है और पर्यावरण को पूज्य भाव से देखा जाता है। जल हमारे जीवन का मूल तत्व है कृ लेकिन आज यही जल संकट की स्थिति में पहुँचता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने का एकमात्र उपाय है।

जनजागरूकता और जनसहभागिता। अभियान के अंतर्गत रैली, रन फॉर एनवायरनमेंट, पौधारोपण, जल स्रोतों की सफाई, नेचर वॉक, तुलसी पौधा वितरण, श्रमदान, प्याऊ स्थापना, रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग की सफाई, निबंध, भाषण प्रतियोगिताएं, महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई, जल संरचनाओं का लोकार्पण और गाद निकासी, महिला समूहों की सहभागिता, अधिकाधिक फार्म पौण्ड की स्वीकृति और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान जैसे अनेक नवाचारात्मक प्रयास शामिल किए गए हैं।

जयपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाएं शुरू

जयपुर। निजी क्षेत्र की कंपनी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ते यात्री भार को देखते हुए बुनियादी ढांचे में सुधार का काम शुरू किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे को विभिन्न स्तर पर बेहतर बनाने और यात्रियों के समग्र अनुभव को बेहतर करने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 14 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर इन परियोजनाओं का उद्देश्य जयपुर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरे एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करे।

इसके तहत टर्मिनल-2 का विस्तार किया जा रहा है जो इसके बुनियादी ढांचे के विकास की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जेआईएएल), अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। उन्होंने कहा, 15,000 वर्ग मीटर के विस्तार से मौजूदा टर्मिनल की कुल क्षमता में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, टर्मिनल पर 39 चेक-इन काउंटर हैं। विस्तार के तहत 24 नए काउंटर शुरू करने की योजना है। इससे चेक-इन काउंटर की कुल संख्या 63 हो जाएगी, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नए चेक-इन काउंटर के अलावा हवाई अड्डे पर आठ अतिरिक्त 'सेल्फ-बैगेज ड्रॉप' (एसबीडी) काउंटर भी शुरू किए जा रहे हैं।

जो लोग राष्ट्रहित में काम करना पार्टी विरोधी समझते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए : थरूर

वाशिंगटन/भाषा। सांसद शशि थरूर ने उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि जो कोई भी यह मानता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना कोई पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे खुद से सवाल करने की जरूरत है। थरूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के रुख से अवगत कराने के लिए एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और वह इस समय अमेरिका में हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद सरकार के रुख का समर्थन करने के लिए थरूर की आलोचना की है। कांग्रेस नेता को उनकी पार्टी के एक सहयोगी ने तो ''भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) का महाप्रवक्ता'' तक कह दिया।

थरूर ने बुधवार को 'पीटीआई वीडियोज' से एक साक्षात्कार में कहा, ''सच कहूं तो, जब कोई देश की सेवा कर रहा हो, तो मुझे नहीं लगता कि उसे इन चीजों के बारे में बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत है।''

जब उनसे पूछा गया कि भारत लौटने पर वह अपने आलोचकों को क्या संदेश देंगे, तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि जो कोई भी यह समझता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना किसी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे हमसे नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने की जरूरत है।''

कई बार कुछ मुद्दों पर थरूर की टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक रुख से भिन्न रही हैं।

गंगा को प्रदूषित करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : जल शक्ति मंत्री पाटिल

लखनऊ/बुलंदशहर/भाषा। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' का दर्जा दिया गया है, ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है। पाटिल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

एक बयान के मुताबिक यह कार्यक्रम 'नमामि गंगे' मिशन के तहत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के सतत विकास, नदी पुनरुद्धार, स्वच्छ पर्यावरण और युवा सहभागिता को लेकर प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसमें जल शक्ति मंत्री पाटिल शामिल हुए। पाटिल ने अपने संबोधन में कहा, ''हमारी संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' कहा गया है। ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है।''केंद्रीय मंत्री ने नदियों में फैल रहे प्लास्टिक प्रदूषण को समय की सबसे बड़ी चुनौती करार दिया। उन्होंने कहा, ''हमें प्रदूषण के स्रोत पर ही रोक लगानी होगी। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना होगा और जनजागरुकता फैलानी होगी। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति है तब तक संरक्षण अधूरा रहेगा।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई नमामि गंगे परियोजना की सराहना की। पाटिल ने बताया कि गंगा बेसिन के हर कोने में गंदे पानी को शोधित करने के लिए अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) लगाए गए हैं, जिससे गंगा में सीधे प्रदूषण का प्रवाह रोका गया है।

संभल में बीमा घोटाला : ईडी ने पुलिस से मांगे दस्तावेज

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीमा राशि के दावे की रकम हड़पने के लिए बीमित व्यक्तियों की हत्या कराने से जुड़े मामले की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्थानीय पुलिस से सम्बन्धित दस्तावेज और दर्ज मुकदमों की प्रतियां मांगी है। अधिकारियों का कहना है कि एक अनुमान के मुताबिक यह गोरखधंधा 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का है।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) अनुकृति शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि घोटाले में शामिल गिरोह पर जनवरी से ही नजर रखी जा रही थी और इस मामले के सिलसिले में अब तक 52 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 50 से अधिक आरोपी अब भी फरार हैं तथा तीन आरोपियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने पुष्टि की कि ईडी ने पुलिस से इस मामले से जुड़े दस्तावेज, दर्ज मुकदमों की प्रतियां और अन्य जानकारी मांगी थी जो उसे दे दी गयी है।

शर्मा ने बताया कि गिरोह के सदस्य आमतौर पर नौजवानों को निशाना बनाते थे और कुछ मामलों में जीवन बीमा राशि का दावा करने के लिए उनकी हत्या कर देते थे। अधिकारी ने बताया कि वे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों से पीड़ित लोगों और यहां तक कि मृत लोगों के नाम पर बीमा पॉलिसी लेते थे और दस्तावेजों में हेराफेरी एवं जालसाजी करके स्वास्थ्य और जीवन बीमा कंपनियों से बीमे की रकम ऐंठने की साजिश रचते थे। शर्मा ने कहा कि इस घोटाले के तार कम से कम 12 अलग-अलग राज्यों से जुड़े हैं और इस मामले में अब तक 17 मुकदमे दर्ज किये गये हैं। इनमें हत्या के चार मामले शामिल हैं।

'भारत ने समुद्री अवसंरचना विकास के लिए 20 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है।

ओस्लो में नॉर-शिपिंग सम्मेलन में सोनोवाल ने भारत की बढ़ती समुद्री क्षमताओं का जिक्र किया। इसमें अनुकूल नीति प्रेरित निवेश वातावरण, सिद्ध किये गये जहाज विनिर्माण शक्ति और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए अभिनव वित्तपोषण योजनाएं शामिल हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार, मंत्री ने नाविक भर्ती के लिए अधिक से अधिक साझेदारी का भी आह्वान किया। सोनोवाल ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी), पूर्वी समुद्री गलियारा (ईएमसी), और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) जैसे रणनीतिक गलियारों के साथ समुद्री संपर्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर भी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''भारत ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर केंद्रित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई है।'' सोनोवाल ने कहा, ''नीतिगत प्रोत्साहन, व्यापार करने की आसानी और बुनियादी ढांचे में वृद्धि के माध्यम से, हम वर्ष 2047 तक भारत को शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में से एक के रूप में उभरने की नींव रख रहे हैं।'' हरित और टिकाऊ समुद्री भविष्य की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत हरित हाइड्रोजन और इसके उत्पादों के विनिर्माण का समर्थन करने और समुद्री क्षेत्र में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग में अग्रणी होने के लिए तीन गहरित हाइड्रोजन केंद्र पोर्ट - कांडला, तूतीकोरिन और पारादीप में स्थापित कर रहा है। सोनोवाल नॉर्वे और डेनमार्क की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

असमः हिमंत ने लोगों से मां के सम्मान में एक पौधा रोपने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सभी लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर अमल करने और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा रोपने का आग्रह किया।

शर्मा ने यह भी कहा कि नए पोर्टल की मदद से अब राज्य में वन क्षेत्र के नुकसान की जानकारी अब वास्तविक समय में प्राप्त की जा सकेगी। इसकी मदद से तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पौधा रोपने के लिए प्रेरित किया है और 'हम असम में पूरे साल पौधा रोपण कार्यक्रम जारी रखेंगे।' विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज एक पोर्टल शुरू किया है, जहां लोग पौधा रोपण करने के बाद और समय-समय पर पौधे की वृद्धि के बारे में जानकारी अपलोड कर सकते हैं।'' शर्मा ने कहा कि उन्होंने एक और पोर्टल शुरू किया है, जहां कृत्रिम मेधा (एआई) और सैटेलाइट इमेज की मदद से जंगलों के कटान और वन क्षेत्र के नुकसान के बारे में वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है, इससे इन मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा, ''आमतौर पर हमें पूरा जंगल खत्म हो जाने के बाद जानकारी मिलती है, लेकिन इससे हमें वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।''

पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठें : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण को 'हमारा पहला परिवार' बताते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठकर आगे बढ़ने और ईमानदारीपूर्ण नजरिया अपनाने का आग्रह किया।

यादव ने 'एक्स' पर एक लम्बी पोस्ट में जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण को किताबी प्रतिबद्धताओं या प्रतीकात्मक भावों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे प्रकृति के मूर्त और अमूर्त पहलुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से वास्तविक कार्रवाई में तब्दील किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पर्यावरण ही प्रथम परिवार है। पर्यावरण संरक्षण हमारा प्राकृतिक धर्म है।'' सपा प्रमुख ने कहा, ''आज पर्यावरण दिवस है। ये दिन है पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता, वचनबद्धता और किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता से ऊपर उठकर कर्मठता के स्तर पर परिधिमय प्राकृतिक आवरण को बचाये-बनाए रखने का।''

यादव ने कहा, ''एक पर्यावरण हमारे आसपास होता है और एक वो भी होता है, जो हमारे देखने-छूने व अन्य इंद्रियों की क्षमताओं से परे होता है। हमें उसे भी बचाना है तभी ये धरा-धरती जीवनदायिनी बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने अदाणी, चीन के सामने 'सरेंडर' किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्योगपति गौतम अदाणी और चीन के सामने 'सरेंडर' (आत्मसमर्पण) कर दिया है। पार्टी नेता अजय कुमार ने कांग्रेस के 'नरेन्दर सरेंडर' वाले अभियान के तहत अदाणी समूह और चीन से जुड़े विषयों को लेकर आरोप लगाए। कांग्रेस के आरोपों पर फिलहाल अदाणी समूह या सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कुमार ने कहा, ''अदाणी और नरेन्द्र मोदी की जोड़ी ने शोले फिल्म के 'जय-वीरू' की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है। ट्रंप के सामने नरेन्द्र मोदी के 'सरेंडर' का जो सिलसिला चल रहा है, वो कई साल के अभ्यास के बाद हुआ है। उन्होंने दावा किया कि नरेन्द्र मोदी जहां भी जाते हैं या अदाणी जहां भी चाहते हैं, उनको ठेका मिल जाता है। कुमार ने सवाल किया, ''हमें समझ नहीं आता कि आखिर नरेन्द्र मोदी ने अदाणी के आगे सरेंडर क्यों कर दिया है? अदाणी के लिए मोदी ने देश को खतरे में क्यों डाल दिया है?'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी का पूरा सरकारी तंत्र ये सुनिश्चित करता है कि अदाणी का कारोबार बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया, ''नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद, मंगलुरु, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम के हवाई अड्डे अदाणी को सौंप दिए।''

तेजस्वी ने नीतीश को पत्र लिखा, नये आरक्षण कानून की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की ताकि समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 85 फीसदी करने के लिए नये विधेयक पेश किए जा सकें।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यह पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। पत्र में उन्होंने नीतीश सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी जब बिहार के उपमुख्यमंत्री थे, तब राज्य में कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया था। राजद नेता ने कहा है कि नये विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए तत्काल केंद्र के पास भेजा जाना चाहिए। तेजस्वी ने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय का कहना था कि आरक्षण में वृद्धि किसी वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर नहीं की गई थी, जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर करे।

बिहार में आरक्षण में वृद्धि जाति सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में राज्य में दलितों और पिछड़े वर्गों की आबादी में वृद्धि दिखाई गई थी। तेजस्वी ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहां 69 फीसदी आरक्षण लागू है।

अपनी ही पुत्री का कथित दुष्कर्म करवाने वाली महिला भाजपा नेता गिरफ्तार

हरिद्वार/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार में सामने आयी एक चौंकाने वाली खबर में एक महिला भाजपा नेता को अपनी ही नाबालिग पुत्री का अपने पुरुष मित्र तथा उसके दोस्तों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामला सामने आने के बाद भाजपा ने महिला नेता को पार्टी से निष्कासित कर दिया है ।

हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने यहां बताया कि अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर कई बार यह घिनौना कृत्य करवाने वाली महिला नेता को उसके पति द्वारा दर्ज कराई गयी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए यहां शिव मूर्ति के पास स्थित एक होटल से उसके पुरुष मित्र सुमित पटवाल के साथ बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया । उन्होंने बताया कि पटवाल के अन्य दोस्तों की तलाश की जा रही है ।

एसएसपी ने बताया कि रानीपुर क्षेत्र की फ्रेंडस कॉलोनी में रहने वाली पीड़िता के पिता ने रानीपुर कोतवाली में दर्ज तहरीर में बताया कि करीब साल भर से उनकी पत्नी उनसे अलग रह रही हैं जबकि उनकी 13 वर्षीय बेटी उनके साथ रहती है।

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर, सात लाख लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ के कारण स्थिति बृहस्पतिवार को भी गंभीर बनी रही और 21 जिलों में करीब सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बाढ़ व भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है और बुधवार को दो लोगों की मौत की खबर है तथा कछार जिले में एक व्यक्ति लापता है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत नौ प्रमुख नदियां जबकि बराक नदी कछार जिले में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और इसकी सहायक नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं।

मौजूदा समय में बाढ़ से 1,494 गांव प्रभावित हैं, जिनमें सबसे अधिक श्रीभूमि में 339 गांव, नागांव में 189, कछार में 166 और हैलाकांडी जिलों में 156 गांव शामिल हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार, श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि यहां की 2,59,601 आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है जबकि हैलाकांडी में 1,72,439 और नागांव में 1,02,716 लोग पानी भर जाने की समस्या से जूझ रहे हैं।

बुलेटिन में बताया गया कि अब तक कुल 14977.99 हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ से जलमग्न हो गया है और करीब 5,15,737 मवेशी प्रभावित हुए हैं। जिला अधिकारियों ने 405 राहत शिविर स्थापित किये हैं, जहां 41,317 लोगों ने शरण ली है। उन्होंने 1,12,324 राहत वितरण केंद्र भी स्थापित किये हैं।

नीतीश सरकार न्याय नहीं, सिर्फ सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि बिहार में 20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'डबल इंजन' सरकार राज्य को सुरक्षा, सम्मान और विकास नहीं दे पाई। उन्होंने यह दावा भी किया कि नीतीश सरकार न्याय नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने गया में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने उसके घर पहुंचे एक चिकित्सक की आरोपियों द्वारा कथित तौर पिटाई किए जाने की घटना और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से संबंधित वीडियो को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''20 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी नीतीश जी की डबल इंजन सरकार न तो बिहार को सुरक्षा दे पाई, न सम्मान और न ही विकास। अपराध, बेरोज़गारी और पलायन, यही नीतीश-भाजपा सरकार की असली पहचान बन चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि जनता को लाचार बनाकर सत्ता से चिपके रहना ही इनका एजेंडा है।

मैं कभी रोड शो का समर्थक नहीं था, 2007 में भी इसके पक्ष में नहीं था : गौतम गंभीर

मुंबई/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल खिताबी जीत के समारोह के आयोजन में शामिल सभी लोगों की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की। इस समारोह के दौरान मची भगदड़ के कारण 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

कोलकाता में दो आईपीएल खिताब जीतने वाले समारोहों और भारत के 2007 टी20 विश्व कप जीतने के अभियान का हिस्सा रहे गंभीर ने सभी से 'जिम्मेदार नागरिक' बनने और लोगों के इसके लिए तैयार नहीं होने की स्थिति में ऐसे समारोह का आयोजन नहीं करने का आग्रह किया। इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान गंभीर ने कहा, ''मैं कभी रोड शो के पक्ष में नहीं था। यहां तक कि 2007 में भी मैं इसके पक्ष में नहीं था। इसे बंद दरवाजे के पीछे या स्टेडियम में करें। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होगा।'' गंभीर ने इस पर टिप्पणी नहीं की कि इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं या क्या पिछले कुछ वर्षों में प्रशंसकों की प्रकृति बदल गई है।

मुझे बहुत बुरा लग रहा है, जश्न से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं जिंदगियां : कपिल देव

बेंगलूरु/भाषा। महान ऑलराउंडर कपिल देव ने बृहस्पतिवार को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान 11 प्रशंसकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 'जिंदगी जश्न से ज्यादा महत्वपूर्ण है' और सभी को भविष्य में उचित सावधानी बरतने की सलाह दी।

पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के आस-पास के इलाकों में करीब ढाई लाख लोग उमड़ पड़े लेकिन इसके बाद मची अफरातफरी में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। कारपोरेट कार्यक्रम के मौके पर कपिल ने पीटीआई से कहा, ''मुझे इस बात का बहुत बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि हमें एक-दूसरे से सीखना चाहिए। अगली बार जब ऐसा कुछ (विजय परेड) होगा तो लोगों को अधिक सचेत रहना चाहिए। लोग गलती करते हैं।''

मैं अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से ज्यादा दूर नहीं हूं: सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। पिछले काफी समय से लय हासिल करने की कोशिश कर रही ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि वह सही रास्ते पर हैं और दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में अपना स्थान फिर से हासिल करने से ज्यादा दूर नहीं हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू इस सत्र में प्रदर्शन में निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही हैं। इंडोनेशिया के दिग्गज कोच मुहम्मद हाफिज हाशिम की देख रेख में अभ्यास करने के बावजूद वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। सिंधू को बृहस्तीवार को निर्णायक गेम में 15-11 से आगे होने के बावजूद दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ 22-20, 10-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने इस मुकाबले के बाद कहा, '' मेरे पास एक नया कोच है। हमने जनवरी से एक साथ काम करना शुरू किया है। कई बार कोच और खिलाड़ी दोनों को एक-दूसरे को समझने में समय लगता है।'' सिंधु ने कहा, '' चीजें हालांकि सही दिशा में आगे बढ़ रहीं हैं और निश्चित रूप से सुधार की बहुत गुंजाइश है। मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं।'' इस 29 साल की खिलाड़ी को फरवरी में गुवाहाटी में अभ्यास के दौरान हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट लगी थी। उन्हें इस सत्र में थुई लिन्ह गुयेन, पुत्री कुसुमा वर्दानी और किम ग्यून जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ भी टूर्नामेंटों के शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा है। सिंधू से जब पूछा गया कि उनके खेल का स्तर मौजूदा समय के शीर्ष खिलाड़ियों के मुकाबले कहां है तो उन्होंने कहा, '' मुझे पूरा विश्वास है कि मैं उनसे ज्यादा दूर नहीं हूं। मैं हालांकि एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान देने की कोशिश करती हूं।'' इस भारतीय खिलाड़ी ने कहा, '' अपनी गलतियों से सबक लेना जरूरी है क्योंकि हर टूर्नामेंट नया और अलग होता है। मैं और मेरे कोच खेल में सुधार के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही अपने खेल के शीर्ष पर पहुंच जाउंगी।'' सिंधू से पूछा गया कि करियर के इस स्तर पर वह अपने खेल की किन पहलुओं पर बदलाव करने के बारे में सोच रही है ।

सुविचार

कृष्ण ने राधा से प्रेम नहीं मांगा, उन्हें राधा की मुस्कान ही जीवन भर का साथ लगती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब रुकेगा यह सिलसिला?

बेंगलूरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से रंग में भंग पड़ गया। लोग आरसीबी की जीत का जश्न मनाने आए थे। किसने सोचा था कि यह मातम में बदल जाएगा! दर्जनभर लोग काल का ग्रास बन गए। अगर समय रहते भीड़ प्रबंधन की ओर ध्यान दिया होता तो इस हादसे को टाला जा सकता था। अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। मुआवजे की घोषणा हो चुकी है। सोशल मीडिया पर संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। यह सब एक रस्म-अदायगी की तरह नहीं होना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाएं कहीं न हों, इसके लिए पुख्ता इंतजाम होने चाहिएं। हमें स्वीकार करना होगा कि देश में भीड़ प्रबंधन के मामले में ढेरों खामियां हैं। कहीं व्यवस्थाओं में कमियां रह जाती हैं, कहीं जनता की ओर से अनुशासन का अभाव रह जाता है। कहीं ये दोनों ही बिंदु मिलकर अपने पीछे अप्रिय यादें छोड़ जाते हैं। इस साल तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। पिछले साल जुलाई में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुए 'सत्संग' में मची भगदड़ के कारण 121 लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम 150 लोग घायल हो गए थे। देश में ऐसी छोटी-बड़ी कई घटनाएं हर साल होती हैं, जिन पर हंगामा तो खूब मचता है, लेकिन यह सिलसिला नहीं रुकता। इसे रोकना होगा। ऐसे ज्यादातर मामलों में यह देखने में आता है कि जिस जगह भगदड़ मचती है, वहां उसकी क्षमता से ज्यादा लोग होते हैं। इससे अव्यवस्था फैलती है, अनुशासन भंग होता है। सुरक्षाकर्मी मौजूद होते हैं, लेकिन वे भारी हुजूम को नियंत्रित नहीं कर पाते। उस दौरान एक क्षण ऐसा आता है, जब मामला हाथों से निकल जाता है।

जाहिर है कि क्षमता से ज्यादा भीड़ को संभालना आसान नहीं होता। अगर भविष्य में भगदड़ जैसी घटनाओं को होने से रोकना है तो सबसे पहले इस नियम का सख्ती से पालन करवाया जाए कि जगह की क्षमता से ज्यादा लोग इकट्ठे न हों। चाहे इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाए, ड्रोन्स के जरिए निगरानी की जाए या ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात करें। चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता 35,000 लोगों की बताई गई है, लेकिन दो लाख से ज्यादा लोग उमड़ आए थे। क्या प्रशासन इस बात का अंदाजा नहीं लगा पाया? भारत में क्रिकेट के प्रति लोगों का उत्साह किसी से छिपा हुआ नहीं है। जब बड़े मैच होते हैं तो लोग अपने कार्यस्थलों पर भी ताजा परिणाम जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। प्राय: आयोजकों को इस बात का मोह होता है कि जितने ज्यादा लोग जुटेंगे, कार्यक्रम की उतनी ज्यादा चर्चा होगी और वह उतना ही सफल माना जाएगा। उन्हें प्रशासन के साथ मिलकर यह भी देखना चाहिए कि इतनी भीड़ को संभाल भी सकेंगे या नहीं? आज भीड़ इकट्ठी करना कोई मुश्किल काम नहीं है। डेढ़-दो दशक पहले किसी कार्यक्रम में भीड़ जुटाने के लिए पर्चे बांटने होते थे, घर-घर जाकर निमंत्रण देना होता था। आज वॉट्सऐप ग्रुप में एक पोस्ट डालने की देर है, वह संदेश तुरंत उन लोगों के पास पहुंच जाता है। उसे खूब साझा भी किया जाता है। पूर्व में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जब किसी ने अपनी शादी का निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो हजारों मेहमान आ गए। किसी यूट्यूबर ने अपने वीडियो संदेश में कह दिया कि मैं फलां दिन वहां आ रहा हूं। उधर निर्धारित समय से पहले ही इतनी भीड़ जुट गई कि हालात को संभालने में प्रशासन के पसीने छूट गए। इन घटनाओं से यह सबक लेना चाहिए कि आयोजन स्थल पर बाकी सब इंतजाम जरूर हों, लेकिन उतनी ही भीड़ जुटाने की अनुमति हो, जितनी संभाल सकें। कोशिश यह की जाए कि संबंधित जगह की क्षमता से कुछ कम भीड़ हो। जीवन अनमोल है। उसकी भरपाई किसी चीज से नहीं की जा सकती।

ट्वीटर टॉक

आज ब्यावर स्थित आशापुरा माता धाम परिसर में आयोजित सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव के समापन समारोह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह आयोजन हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

-दीया कुमारी

पर्यावरण संरक्षण द्वारा ही आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। यह देखकर खुशी होती है कि युवा वर्ग पर्यावरण के संरक्षण को लेकर बेहद जागरूक है और अनेक युवा पेड़,पौधों,तालाबों को बचाने का प्रयास निःस्वार्थ भाव से कर रहे हैं।

-अशोक गहलोत

आंकड़े सच बोलते हैं। पिछले एक साल में टू-व्हीलर की बिक्री 17% और कार की बिक्री 8.6% घट गई है। वहीं मोबाइल मार्केट 7% गिर गया है। दूसरी तरफ, ख़र्च और कर्ज़ - दोनों लगातार बढ़ रहे हैं: मकान का किराया, शिक्षा का खर्च, लगभग हर चीज़ महंगी होती जा रही है।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

नश्वरता का बोध

एक दिन कोई आदमी कबीर साहिब के घर गया, तो पता चला कि किसी मृतक के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान गए हैं। आगंतुक ने कबीर के हुलिये के बारे में पूछा। कबीर की पत्नी ने बताया कि कबीर की पगड़ी में कलगी लगी हुई है। वह व्यक्ति श्मशान भूमि में गया, तो उसने देखा कि सबके सिर पर कलगियां टंगी हैं। वह चकराया कि कबीर को कैसे पहचाने और पूछे तो किससे पूछे, क्योंकि सब शोक में मौन थे। अंततः वह मृतक के दाह संस्कार के बाद लौट आया। नगर में पहुंच कर उसने देखा कि सब लोगों के सिर से कलगियां लुप्त हो गई हैं, केवल एक व्यक्ति के सिर पर कलगी बची है। वह निकट गया, तो पाया कि वही कबीर साहिब हैं। उसने कबीर को प्रणाम किया। कबीर ने पूछा, 'कहो, क्या कार्य है?' दर्शनार्थी बोला, 'महात्मन! मैं बड़ी दूर से आपके उपदेश सुनने आया हूं, सो कई बातें पूछूंगा। पहले यह बताइए कि श्मशान में तो सबके सिरों पर कलगियां थीं, फिर आपके सिवा धीरे-धीरे सबकी क्यों गायब हो गईं? यह कैसे हुआ?' कबीर बोले, 'वह कलगी रामनाम की थी। मृतक को ले जाते समय सबके हृदय में संसार की अनित्यता और रामनाम की सत्यता थी।

सामयिक

बेंगलूरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं।

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्दरामय्या क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्दरामय्या के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

नजरिया

एक बार फिर से भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

राजेश जैन

मोबाइल-8890602744

फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं - आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है-यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, -रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना ओर नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है।

रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां-जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला-रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12 प्रतिशत इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25 प्रतिशत जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं-कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था। इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा ?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'छोटे कपड़े' पहनने वाली महिलाएं अच्छी नहीं लगतीं : कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर/भाषा

महिलाओं के 'छोटे कपड़े' पहनने की प्रवृत्ति को लेकर असहमति जताते हुए मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारतीय संस्कृति के मुताबिक महिलाओं को 'देवी का स्वरूप' मानते हैं। उन्होंने महिलाओं के छोटे कपड़ों से नेताओं के छोटे भाषण की तुलना करने वाली एक विदेशी कहावत को अनुचित करार देते हुए यह बात कही। विजयवर्गीय ने अपने गृहनगर इंदौर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष सुमित मिश्रा के संक्षिप्त उद्बोधन की तारीफ करते हुए कहा कि हमेशा छोटा भाषण ही दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,''देखिए, एक पाश्चात्य कहावत है जो अच्छी नहीं है, पर विदेशों में इस कहावत की बड़ी चर्चा होती हैवहां (विदेश में) ऐसा कहते हैं कि जिस प्रकार कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर होती है, उसी प्रकार कम भाषण देने वाला नेता भी बहुत बढ़िया होता है। विदेश में ऐसी एक कहावत है, लेकिन मैं इसका पालन नहीं करता हूं।'' काबीना मंत्री ने अपनी इस बात पर श्रोताओं के ठहाकों और तालियों के बीच कहा कि वह इस विदेशी कहावत को कतई उचित नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा,''मैं इस कहावत का पालन नहीं करता हूं। मैं तो यह मानता हूं कि हमारे यहां (भारत में) महिला, देवी का स्वरूप है।

स्नान

वाराणसी में गंगा दशहरा के अवसर पर दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालु डुबकी लगाते हुए।

पाकिस्तान के नेताओं ने ट्रंप की तारीफ की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी दोनों ने भारत के साथ हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका होने का दावा करते हुए उनकी प्रशंसा की है।

नेताओं ने अमेरिका के साथ नए सिरे से द्विपक्षीय संबंधों के बारे में भी बात की और उससे दो परमाणु-शस्त्र संपन्न पड़ोसियों, भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापक वार्ता को सुगम बनाने का आग्रह किया।

भारत ने इस बात से इनकार किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए बनी सहमति में कोई भूमिका निभाई थी। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

भारत द्विपक्षीय मुद्दों पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात लगातार खारिज करता रहा है।

प्रधानमंत्री शरीफ इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी बुधवार को वाशिंगटन में अमेरिका स्थित पाकिस्तानी पत्रकारों से बात कर रहे थे।

'डॉन' अखबार ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया कि हाल में चार दिनों तक भारत-पाक के बीच हुए सैन्य संघर्ष ने यह उजागर कर दिया है कि पहलगाम की घटना एक झूठा अभियान थी। शरीफ ने ट्रंप को संघर्ष विराम कराने में निर्णायक भूमिका निभाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिना किसी संदेह के यह दिखा दिया है कि वह शांति और लाभकारी व्यापारिक सौदों के पक्षधर हैं।

शरीफ ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप तनाव बढ़ाने के खिलाफ हैं। उन्होंने दावा किया, पहलगाम घटना की निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच के हमारे प्रस्ताव पर बदले में आक्रामकता का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत को ठोस सबूतों के साथ सामने आना चाहिए था और दुनिया को घटना के बारे में आश्वस्त करना चाहिए था।

अमेरिका को स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए शरीफ ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध नए सिरे से दोस्ती में प्रवेश कर रहे हैं और करीबी संपर्क फिर से शुरू हो रहे हैं।

गत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। भारत ने छह-सात मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए।

दस मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनी।

'डॉन' ने यह भी लिखा कि बुधवार को वाशिंगटन की तीन दिवसीय यात्रा पर आए पूर्व विदेश मंत्री बिलावल पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम को सुगम बनाने में मदद करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप 'श्रेय के हकदार हैं'। उन्होंने कहा, ''हमें इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति क्या कह रहे हैं। 10 अलग-अलग मौकों पर उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को सुगम बनाने का श्रेय लिया है - और यह सही भी है। वह उस श्रेय के हकदार हैं, क्योंकि यह उनके प्रयासों की वजह से ही संभव हो पाया।''

पूर्व विदेश मंत्री ने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने लंबे समय से खुद को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'सुरक्षा प्रदाता' के रूप में पेश किया है - एक अवधारणा जिसका अमेरिकी नीति निर्माताओं ने भी समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ''चीन के प्रति संतुलन के रूप में भारत की अवधारणा अब खोखली लगती है। मेरा मानना है कि इस दृष्टिकोण का अब पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए।''

अभिनेत्री जान्हवी कपूर गुरुवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुँचते ही फोटो खिंचवाती हुई।

हार्वर्ड बनाम ट्रंपः नए हमले के बीच चिंता और डर में जी रहे हैं अंतरराष्ट्रीय छात्र

बोस्टन (अमेरिका)/भाषा। बाहर आती एक दमकल गाड़ी; दरवाजे पर दस्तक देता एक मित्र, तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन की लाल व सफेद बत्तियां। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों का एक समूह, जिसमें प्रत्युष रावल और उनके मित्र शामिल थे, 22 मई को यहां पास के सोमरविल शहर में एक घर में एकत्र हुआ था। आमतौर पर सामान्य लगने वाली बातें भी उस दिन उनके बीच सामूहिक चिंता का कारण बन गईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अचानक देश में रहने की उनकी कानूनी स्थिति को रद्द कर दिया, इसलिए छात्रों ने पूरी रात परेशानी और भय में बिताई। अदालतों के हस्तक्षेप से पहले, ये छात्र अगले 24 घंटों तक आउट-ऑफ-स्टेटस के रूप में रहे। यह शब्द उन लोगों के लिए प्रयोग किया जाता है जो अमेरिका में कानूनी रूप से प्रवेश करते हैं, लेकिन कुछ शर्तों को पूरा न कर पाने के कारण अपनी वैध स्थिति खो देते हैं। रावल ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, तब से एक अजीब सी बेचैनी हमारे आस-पास बनी हुई है। हममें से बहुत से लोग जो छात्र वीजा पर यहां हैं, उनके लिए यह बहुत वास्तविक था। एक झटके में सब कुछ बदल गया। हमें नहीं पता था कि क्या हो रहा है। रावल कहते हैं कि कुछ मौजूदा छात्र सक्रिय रूप से अपनी डिग्री को अन्य कॉलेजों में स्थानांतरित करने के बारे में सोच रहे थे, कुछ नौकरी की तलाश में थे, लेकिन उन सभी के लिए, उनके सपने टूट रहे थे।

होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम के तहत हार्वर्ड प्रमाणन को वापस ले लिया, जिससे विश्वविद्यालय पर नए विदेशी छात्रों को प्रवेश देने पर प्रभावी रूप से रोक लग गई और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय नामांकित छात्रों की कानूनी स्थिति को खतरा पैदा हो गया। ट्रंप प्रशासन के फैसलों से हार्वर्ड में पढ़ने वाले लगभग 6,800 अंतरराष्ट्रीय छात्रों के जीवन पर असर पड़ रहा है, जहां वे कुल छात्र संख्या का लगभग 27 प्रतिशत हैं। यहां भारतीय मूल के लगभग 800 छात्र हैं। हार्वर्ड ने कहा है कि वह अपने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा के लिए लड़ेगा।

रावल ने कहा, मौजूदा छात्रों को नहीं पता कि उन्हें अपनी डिग्री पूरी करने की अनुमति मिलेगी या नहीं। यह उनके जीवन को झकझोर देने वाली बात है। मैं ऐसे कई दोस्तों को जानता हूं जिन्होंने यहां एडमिशन तो ले लिया है लेकिन अब वे इस पर पुनर्विचार कर रहे हैं। इस देश में बहुत अनिश्चितता है...सिर्फ हार्वर्ड के लिए ही नहीं बल्कि आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए भी। निशाना बनाए जाने की आशंका के कारण नाम न जाहिर करने की शर्त पर एक शोधकर्ता ने कहा, जब आप काम पर आते हैं तो आप विज्ञान के बारे में सोचते हैं। इनमें से बहुत से आदेश आपका ध्यान काम से हटा देते हैं क्योंकि आप इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि आगे क्या होगा।

'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' को खास शो मानते हैं प्रोसेनजीत चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बंगाली फिल्मों के सुपरस्टार प्रोसेनजीत चटर्जी स्टार प्लस के आगामी शो 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' को खास शो मानते हैं। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिये नया शो कभी नीम नीम कभी शहद शहद लेकर आ रहा है।

इस शो से बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी पहली बार हिंदी टीवी पर नजर आने वाले हैं। इतने सालों के फिल्मी अनुभव के साथ, वो अब छोटे पर्दे पर एक ऐसा किरदार लेकर आ रहे हैं जो नए ज़माने की सोच और परिवार की अहमियत दोनों को साथ लेकर चलेगा। इस खास मौके पर अपनी बात रखते हुए प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, कई मायनों में यह मेरा पहला हिंदी प्रोजेक्ट है और ये वाकई मेरे लिए बहुत खास है। मेरे पिताजी 1960 के दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। हिंदी सिनेमा से मेरा जुड़ाव नया नहीं है। आज जब हर कोई 'पैन-इंडिया' की बात कर रहा है, तो मैं सोचता हूं, ये सिर्फ फिल्मों या ओटीटी तक ही क्यों सीमित हो। टेलीविजन में भी पूरे भारत तक पहुंचने की ताकत है। प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, हमारे देश में मराठी, बंगाली, पंजाबी और गुजराती इंडस्ट्रीज़ में जबरदस्त टैलेंट है। तो फिर उस टैलेंट को टेलीविजन पर क्यों नहीं दिखाया जाना चाहिए। यही सोच हमें यहां तक लेकर आई है। मैं स्टार प्लस का शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने इस विज़न को सपोर्ट किया। और हां, राखी दी जैसी बेहतरीन स्टोरीटेलर के साथ काम करना अपने आप में खास है। हमने जो कॉन्सेप्ट चुना है, वो हमारे हिंदी में कदम रखने के लिए बिल्कुल सही है, कुछ ऐसा जो मायने रखता है और असर छोड़ता है। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद', 06 जून से रात 8 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

राजमाता की भूमिका निभाना सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा :

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे का कहना है कि 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका निभाना उनके करियर के सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन अपने दर्शकों के लिए एक भव्य ऐतिहासिक गाथा 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' लेकर आ रहा है ,जिसका प्रसारण चार जून से हर सोमवार से शुक्रवार, रात 7:30 बजे किया जाएगा। इस ऐतिहासिक गाथा में दिग्गज अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे राजसी राजमाता की भूमिका में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। इस प्रतिष्ठित किरदार को जीवंत करने के लिए पद्मिनी ने गहन शोध किया और खुद को उस समय की ऐतिहासिक व भावनात्मक भावना में पूरी तरह डुबो दिया। पद्मिनी कोल्हापुरे ने प्राचीन ग्रंथों, लोक कथाओं और विद्वानों के लेखों का

अध्ययन कर उस रानी, माँ और रणनीतिकार की जटिल छवि को समझा, जो पृथ्वीराज चौहान की विरासत गढ़ने में एक प्रमुख स्तंभ रहीं। पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका निभाना मेरे कॅरियर के सबसे अर्थपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। वह केवल एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं हैं।

वह एक माँ हैं, एक मार्गदर्शक हैं, और भारत के सबसे महान योद्धाओं में से एक के पीछे एक सशक्त स्त्री हैं। उन्हें समझने के लिए मैंने केवल स्क्रिप्ट पर निर्भर नहीं किया।

मैंने ऐतिहासिक दस्तावेज़ पढ़े, लोक कथाएँ सुनीं, शोध लेख पढ़े और क्षेत्रीय डॉक्यूमेंट्रीज़ भी देखीं ताकि यह जान सकूं कि वह किस प्रकार का आचरण करती होंगी। दिलचस्प बात यह है कि अब मेरा फोन केवल पृथ्वीराज और उस युग से जुड़ी सामग्री ही सुझाता है मैंने उन पर इतनी रिसर्च की है। उनके भीतर की मौन शक्ति मुझे बहुत प्रभावित करती है। वह शायद युद्धभूमि पर नहीं थीं, लेकिन उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण थी। एक माँ होने के नाते, मैं उनके भावनात्मक संघर्ष से खुद को जोड़ पाई। कठिन समय में अपने आप को संयमित रखना कितना चुनौतीपूर्ण रहा होगा। यह भूमिका निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी है, और मैंने कोशिश की है कि हर हावभाव और हर क्षण में उनके सफर की सच्चाई झलकती रहे।

यदि दर्शक किरदार के मूल को समझ लें तो कलाकार की सराहना होती है : आशुतोष राणा

कोलकाता/भाषा। लोकप्रिय अभिनेता आशुतोष राणा का कहना है कि जब रंगमंच के दर्शक किसी किरदार के मूल को समझ जाते हैं तो स्वाभाविक रूप से कलाकार की सराहना होती है। राणा ने यह भी सुझाव दिया कि दर्शक कला से तब भी जुड़ते हैं जब वे किसी पात्र से प्रेम करने की बजाय उससे घृणा करते हैं। राणा ने ज्यादातर फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाई हैं, जिससे उन्हें काफी लोकप्रियता मिली है। आशुतोष राणा इन दिनों रामायण पर आधारित नाटक 'हमारे राम' में रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इस नाटक का मंचन देश के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है। आशुतोष राणा ने 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर एक साक्षात्कार में रंगमंच के दर्शकों को लेकर कहा, '' जब वे किसी पात्र के मूल को समझते हैं और उसमें दर्शाई गई कला की सराहना करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कलाकार की सराहना होती है। मेरे लिए, सबसे

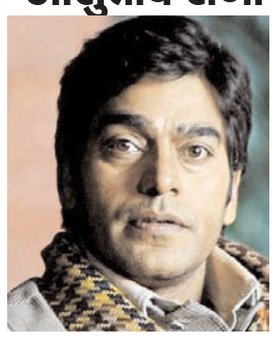

बड़ा पुरस्कार दर्शकों का प्यार या नफरत पाना नहीं है - यह दर्शकों द्वारा कला को पहचानना और उसका मूल्यांकन करना है।'' उन्होंने कहा कि रंगमंच के शौकीन लोग 'हमारे राम' को बार-बार देख रहे हैं, कुछ तो इस नाटक को 20 बार भी देख रहे हैं। कोलकाता में इस नाटक के मंचन के लिए आए राणा ने कहा, ''दर्शकों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह प्रस्तुति और कलात्मक योग्यता के प्रति प्रशंसा को रेखांकित करती है।

युवा एक बेहतर दुनिया गढ़ रहे हैं, यह सशक्त अनुभव है: संजना

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री और समाजसेवी संजना सांघी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ अपने प्रभावशाली सहयोग के माध्यम से वैश्विक परिवर्तन की एक प्रमुख आवाज़ बनकर उभरी हैं। एक यूएनडीपी यूथ चैंपियन के रूप में, संजना अपने मंच का उपयोग युवाओं के सशक्तिकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए करती हैं। यूएनडीपी, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख एजेंसी है, 170 से अधिक देशों में काम करती है ताकि गरीबी को समाप्त किया जा सके, असमानता को कम किया जा सके और समुदायों को सशक्त बनाकर उन्हें सतत भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। यह संगठन देशों को नीतियां बनाने, नेतृत्व मजबूत करने और क्षमताओं का निर्माण करने में मदद करता है, ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल कर सकें।

संजना सांघी 2024 में यूएन मुख्यालय में यूएन महासभा को संबोधित करने वालीं सबसे युवा वक्ता बनीं। यह वही मंच है, जहाँ पहले प्रियंका चोपड़ा जोनास भी अपना संबोधन दे चुकी हैं। कॉलेज के दिनों से ही जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने के प्रयासों में सक्रिय रहीं संजना, आज एक वैश्विक अभियान का चेहरा बन चुकी हैं।

अपने अनुभव के बारे में बोलते हुए संजना ने कहा, यह बेहद प्रेरणादायक है कि युवा सिर्फ बेहतर दुनिया का सपना नहीं देख रहे हैं, बल्कि उसे सच करने की पुरजोर कोशिश में भी लगे हुए हैं।

यूएनडीपी के साथ मेरा सहयोग इन आवाज़ों को आगे बढ़ाने और उनके समाधानों के लिए मंच तैयार करने का एक माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि यूएनडीपी के साथ काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है और यह एक सौभाग्य की बात है कि वह एक ऐसे वैश्विक मिशन का हिस्सा हैं जो जीवन को सीधे प्रभावित करता है और अगली पीढ़ी को एक सतत भविष्य का निर्माता बनने के लिए सशक्त करता है, चाहे वह वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रसार हो या फिर युवाओं के बीच डिजिटल साक्षरता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।

इस वर्ष संजना को यूएन मुख्यालय में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने 'युथ फॉर चेंज' अभियान का नेतृत्व किया, जो कि युवाओं को न्यायसंगत और समान दुनिया के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाला यूएन का प्रमुख वैश्विक अभियान है। यह पहल युवाओं को परिवर्तन के सक्रिय प्रतिनिधि के रूप में सामने लाने का प्रयास करती है और उन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों से जुड़ने तथा अभिनव समाधान देने के लिए प्रेरित करती है। अंततः संजना 2025 की युथ को:लैब का समापन समारोह शुरू करेंगी, जो इस अभियान का तीसरा सफल वर्ष होगा।

नीति आयोग के सहयोग से चलने वाली यह पहल प्रभाव-आधारित स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण इनक्यूबेटर का कार्य करती है। इसमें संजना की भागीदारी युवा सामाजिक उद्यमियों को सम्मानित करने और अगली पीढ़ी को सामाजिक भलाई के उद्देश्य से व्यापार निर्माण की प्रेरणा देने का कार्य करेगी। अपने सामाजिक कार्यों के अलावा संजना को न्यूयॉर्क सिटी से गहरा लगाव है।

वे अक्सर 'बिग एप्पल' लौटने की अपनी खुशी साझा करती हैं। सेंट्रल पार्क की सैर, टाइम्स स्क्वायर की गलियों में घूमना और मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट में प्रेरणादायक प्रदर्शनियों को देखना उनके प्रिय अनुभवों में शामिल हैं। संजना के लिए न्यूयॉर्क केवल वैश्विक सम्मेलनों का स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसा शहर है, जो हर बार उनके जज़्बे को नया आयाम देता है।

अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती: आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की जानीमानी अभिनेत्री आशी सिंह का कहना है कि शब्बीर अहलूवालिया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती है। सोनी सब का आगामी शो 'उफ़्फ़... ये लव है मुश्किल' एक नई सोच और ताज़गी से भरी कहानी पेश करता है, जिसमें मुख्य भूमिका आशी सिंह (कैरी शर्मा) और शब्बीर आहलूवालिया निभा रहे हैं। इन दोनों किरदारों में लगभग 20 साल का उम्र का अंतर है, जिसे यह शो छिपाने की बजाय साहसिकता से अपनाता है। इसे ही अपनी कहानी का मूल तत्व बनाता है। यह सीरीज़ 9 जून से हर सोमवार से शनिवार, रात 8 बजे प्रसारित होगी और दर्शकों को एक नई, जमीनी और वास्तविक प्रेम कहानी से रूबरू कराएगी। कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह ने कहा, शब्बीर और मेरी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री इस बात का प्रमाण है कि अच्छी केमिस्ट्री की कोई उम्र नहीं होती। मैंने उन्हें टीवी पर बड़े होते हुए देखा है; वह सिर्फ अपने काम के लिए नहीं, बल्कि हर किरदार को जो गरिमा और गहराई से निभाते हैं, उसके लिए भी मेरी प्रेरणा रहे हैं। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना, वह भी एक लीड एक्टर के रूप में, एक सपना पूरे होने जैसा लगता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपने कॅरियर के इस मुकाम पर मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। वह बेहद विनम्र और ज़मीन से जुड़े हुए हैं, जिससे सेट पर काम करना बहुत सहज और प्रेरणादायक हो जाता है। उनसे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उनकी टाइमिंग, कैमरे के सामने की सहजता, और उनका आत्मविश्वास। एक युवा कलाकार के रूप में यह अनुभव मेरे लिए बहुत बड़ी सौगात है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 06-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में 4 जून को 'माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस' महेश नवमी को माहेश्वरी भवन में बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिपूर्वक भगवान महेश (भगवान शिव) की पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चारण सहित रुद्राभिषेक से हुआ। पंडित कमल व्यास के नेतृत्व में हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में समाजजनों ने भाग लिया तथा भगवान महेश की कृपा प्राप्त की।

इस पुण्य अवसर पर माहेश्वरी सत्संग समिति द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष कमल गोयदानी ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया तथा महेश नवमी के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया।

सचिव संजय मूंदड़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। भजन संध्या में भक्ति की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित हुई कि उपस्थित सभी श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमने लगे। भजनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की पूर्णाहुति महाआरती के साथ हुई। उपस्थित समाज के बंधुओं ने महाप्रसादी ली। भोजन एवं प्रसादी की संपूर्ण व्यवस्था कमल किशोर गोयदानी एवं उनकी टीम द्वारा उत्कृष्ट रूप से की गई। समापन पर सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने समस्त उपस्थित गणमान्य अतिथियों, श्रद्धालुओं, आयोजकों और स्वयंसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस आयोजन ने समाज में एकता, श्रद्धा और सेवाभाव को पुनः पुष्ट किया, जो श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई की प्रतिबद्धता और प्रयासों का प्रमाण है।

कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति दर्ज हुई।

धींग पुरस्कार के लिए माधव व मीनाक्षी का चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहित्यिक संस्था युगधारा (उदयपुर) के अंतर्गत प्रतिवर्ष दिये जाने वाले कन्हैयालाल धींग राजस्थानी पुरस्कार के लिए राजस्थानी कथाकार माधव नागदा (नाथद्वारा) एवं उमरावदेवी धींग साहित्योदय पुरस्कार के लिए राजस्थान शिक्षा विभाग में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मीनाक्षी पँवार का चयन किया गया है। युगधारा संस्थापक डॉ. ज्योतिपुंज ने बताया कि ये पुरस्कार साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग के माता-पिता की स्मृति में क्रमशः 2005 एवं 2017 से निरंतर दिये जा रहे हैं। अब तब 27 रचनाकार इन पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

अध्यक्ष किरणबाला 'किरन' ने बताया कि कन्हैयालाल धींग पुरस्कार के लिए चयनित माधव की 15 पुस्तकें प्रकाशित हैं। वे राजस्थान साहित्य अकादमी के सुमनेश जोशी पुरस्कार से पुरस्कृत तथा अनुवाद व संपादन में भी सक्रिय हैं। युवा श्रेणी में नवसृजन हेतु दिए जाने वाले उमरावदेवी धींग पुरस्कार के लिए चयनित मीनाक्षी की पुस्तक राजस्थान साहित्य अकादमी के सहयोग से प्रकाशित है। प्रत्येक पुरस्कार के अंतर्गत सम्मान-पत्र, सम्मान-राशि, मेवाड़ी पाग, शॉल, मुक्ताहार, श्रीफल, कलम और साहित्य समारोहपूर्वक प्रदान किये जाते हैं।

'अर्हम' स्वयं की अर्हताओं को जगाने का महामंत्र है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में मैसूर रोड स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट में अर्हम मंत्र प्रेक्षा' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि 'अर्हम' स्वयं की अर्हताओं को जगाने का महामंत्र है। कर्मों को हराने का शस्त्र है, प्रतिभा को बढ़ाने का पथ है। अर्हम के प्रत्येक अक्षर के महत्व को साध्वीश्री ने उजागर किया। इसके प्रत्येक पदों में शक्ति होती है जो विशेष प्रकार की ध्वनि तरंगों को पैदा करती है, उसका प्रभाव हमारे चित्त की चंचलता को नियंत्रित कर सकता है। अर्हम का जप हमारे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक तीनों स्तरों पर परिवर्तन लाता है। अर्हम के उच्चारण से हमारे भीतर अध्यात्म का जागरण होता है।

साध्वीश्री मार्दवयशाजी ने अर्हम के जप लयबद्धता के साथ करवाया। साध्वीश्री ने कहा कि ये प्रकंपन ऊर्जा पैदा करते हैं जिससे हमारे भीतर बिजली का संचार होता है, जो शरीर का अच्छे ढंग से संचालन करती है और हमारे मनोबल, संकल्प बल को बढ़ाने वाली होती है। साध्वीश्री ने कहा कि अर्हम का जप व ध्यान करें तथा अपनी कार्य क्षमता को बढ़ाते रहें। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका मंजू लूणिया ने किया तथा मेघना हिरण ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में महिला मंडल के पदाधिकारी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया एवं श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति थी।

महेश नवमी पर जनसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट, जयगुरुदेव की दो टीम ने महेश नवमी के उपलक्ष्य पर 4 जून को शहर में महत्वपूर्ण जन मानस सेवा का कार्य किया। मिंट स्ट्रीट के नुक्कड़ पर करीब 500 लोगों को खाना खिलाया और छाछ की सेवा देकर इस भीषण गर्मी से राहत दिलाई तथा राजीव गांधी गवर्नमेंट हॉस्पिटल के पास 175 मरीजों को अमृत आहार करवाकर गंजी वितरण किया गया। ट्रस्ट के चेयरपर्सन जय प्रकाश मालपानी ने बताया इस पुण्य कार्य में शोभना सिकची, कीर्ति बागड़ी, रेखा राठी, सुनीता सुरजन, उमा मालपानी, तरुणा भूतड़ा, प्रेमलता टावरी, सुजीत तोषनीवाल, विनोद द्वारकानी, मनोज चांडक, मदन मोहन राठी, गोपाल लाल झवर आदि ने सेवा दी।

जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा द्वारा तांबरम में विशाल वृक्षारोपण अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 5 जून को ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश भलगट के मार्गदर्शन में तथा तमिलनाडु प्रांतीय एवं राष्ट्रीय युवा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में तांबरम रेलवे स्टेशन के निकट एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान श्रमण संघीय उप-प्रवर्तकश्री पंकज मुनि जी म.सा. एवं डॉ. वरुण मुनि जी म.सा. की प्रेरणा से, गुरु अमर संयम अमृत वर्ष के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों तथा पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लेकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाया।

इस विशेष अवसर पर 111 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष आशीष रांका, अभय कोठारी, राष्ट्रीय युवा मंत्री धीरज चोरड़िया, तमिलनाडु प्रांतीय युवा अध्यक्ष मनीष रांका, तथा प्रांतीय युवा महामंत्री विनोद गुंदेचा ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी। आयोजन के पश्चात जैन पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ और उपस्थितजनों ने एक स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित भविष्य की शपथ ली। युवा कार्यकारिणी के सदस्य नितिन मुथा एवं प्रकाश जैन ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

यह अभियान हंसराज विनोद गुंदेचा परिवार की सहभागिता से संपन्न हुआ। प्रांतीय युवा अध्यक्ष मनीष रांका ने बताया कि इस प्रकार के वृक्षारोपण अभियानों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक हराभरा और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सके।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

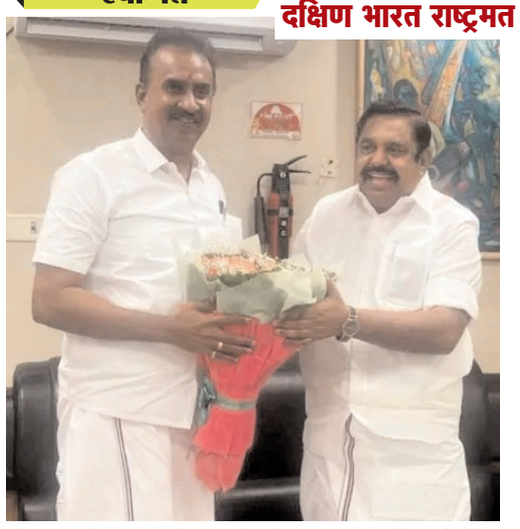

कोयम्बटूर में गुरुवार को शाम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता ई पलानीस्वामी का हवाईअड्डे पर स्वागत करते हुए अन्नाद्रमुक के विधायक एवं पूर्व मंत्री एसपी वेलुमणि।

पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चेन्नई के मिंट स्ट्रीट में 5 जून को 'एक पेड़ माँ के नाम' पर नारियल का पौधारोपण करते हुए समाजसेवी सुरेश भट्ट उनकी माता व भाजपा युवा नेता हंसराज पुरोहित। पुरोहित ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर इस क्षेत्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का काम किया जा रहा है।

मैसूरु जीतो ने पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सरदार वल्लभभाईनगर स्थित जीतो गार्डन में जीतो मैसूरु चैप्टर द्वारा धरती माँ को सुंदर स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर धरती माता की गोद भराई एवं पौधारोपण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश दक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, पूर्व चेयरमैन प्रवीन दांतेवाड़िया, कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष गौतम बागमार, भंवरलाल लुंकड , जीतो लेडीज़ विंग की उपाध्यक्ष सरिता बागमार, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी, ललिता पालरेचा एवं अन्य गणमान्य लोगों ने पोधारोपण किया तथा पर्यावरण दिवस मनाया।

मासिक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल की अध्यक्ष कांता रायसोनी के बसवनगुड़ी निवास पर हुई जिसमें मंडल की सदस्याओं ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अनेक मनोरंजक खेलों का आंनद उठाया। कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया तथा पिंकी इसरानी ने धन्यवाद दिया।

व्यक्ति सुखी व दुखी अपने मन की सकारात्मक और नकारात्मक सोच से होता है : डॉ पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन टेनरी रोड स्थित मरुधर केसरी जैन स्थानक पहुंचे मुनि डॉ पुलकित कुमार जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति सुखी व दुखी अपने मन की सकारात्मक और नकारात्मक सोच से होता है। व्यक्ति के भीतर व्यावहारिक शिक्षा व आध्यात्मिक ज्ञान का होना आवश्यक है, इसी से जीवन सफल व आनंदमय बीतता है। मुनिश्री ने 'ज्ञानी सुखी-अज्ञानी दुखी' इस विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि डिग्री युक्त ज्ञान अधूरा होता है उसके साथ अनुभवी संस्कार युक्त ज्ञान से जीवन में निखार आता है।

मुनिश्री ने नवकार मंत्र सवा लाख जाप करने की प्रेरणा दी। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से अपने विचार रखे। हस्तीमल हिरण ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए गीत प्रस्तुत किया। मुनिश्री की प्रेरणा से फ्रेजर टाउन, जीवनहल्ली, गगनहल्ली के श्रावक समाज के अनेक परिवारों ने जाप का संकल्प लिया। अनेक युवा सदस्यों ने मुनिश्री की विहार सेवा का लाभ लिया।

पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों ने निकाली पदयात्रा

बेंगलूरु। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गुरुवार को जेपी नगर के जैन पब्लिक स्कूल में एक पर्यावरण जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा पाँचवीं से दसवीं कक्षा के 500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हाथों में पर्यावरण सरंक्षण संबधी तख्तियाँ पकड़ का जागरूकता फैलाई। इस पांच किलोमीटर की पदयात्रा के दौरान बच्चों ने बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के सांसद तेजस्वी सूर्या के कार्यालय के प्रतिनिधि को प्रदूषण कम करने व क्षेत्र में साफ सफाई व आवारा कुत्तों की परेशानियों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस यात्रा में विद्यालय की निर्देशक वीणा गौतमचंद, प्राचार्य मंजुला कमलेश आदि उपस्थित थे।

स्वर्ण जयंती महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बालराई जैन संघ राजस्थान के तत्वावधान में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में श्री चन्द्रप्रभु जिन मंदिर का पंचाह्निका महामहोत्सव मनाया गया जिसमें बेंगलूरु के जैन बंधु मंडल के सदस्यों को रात्रि में परमात्मा की भक्ति करने का अवसर प्राप्त हुआ। बंधु मंडल के अध्यक्ष मनोज बाफना ने बालराई जैन संघ का धन्यवाद दिया। इस मौके पर बालराई संघ के दिलीप सुराणा सहित अनेक सदस्यों ने मंडल के सदस्यों का सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.